राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 06 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–255 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनसीआर में पांच हजार से ज्यादा अवैध निर्माण, सर्वे रिपोर्ट ने चौंकाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा में पांच हजार से अधिक अवैध निर्माण हैं। इसका खुलासा आवास विकास परिषद के सर्वे में हुआ। रिपोर्ट शासन को भी भेजी गई, लेकिन अभी तक नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आवास विकास परिषद ने 90 के दशक में वसुंधरा योजना को विकसित किया था। यहां ग्रुप हाउसिंग, एकल भवन निर्माण और भूखंड की बिक्री की गई। दिल्ली, नोएडा के पास होने के कारण यहां हर कोई घर लेना चाहता था, ऐसे में देखते दी देखते करीब दस वर्षों में यहां इमारतों का जाल बिछ गया। साथ ही इस योजना में घर की मांग को देखते हुए यहां बिल्डरों ने भी अपने फायदे के अनुसार स्वीकृति मानचित्र के विपरीत इमारतें तैयार कर दी। यहां एकल यूनिट पर कई मंजिला इमारत बन गई, जिन्हें बेचकर बिल्डरों ने काफी मुनाफा कमाया। अब तीन दशक बाद आवास आयुक्त के आदेश पर यहां नक्शे के विपरीत हुए निर्माण का खुलासा हुआ है। इसका खुलासा हाल ही में तीन जनपदों से आई अभियंताओं की टीम के सर्वे से हुआ। अभियांताओं की टीम ने जो सर्वे किया, उसमें वसुंधरा योजना में करीब 5500 नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण मिले हैं। सूत्र बताते हैं कि इस सर्वे रिपोर्ट में नक्शे के विपरीत, एकल यूनिट पर कई मंजिला इमारत का निर्माण, आवासीय में व्यावसायिक भवन का जिक्र है। जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अधिकारी भी आ सकते हैं जांच के घेरे में -सर्वे से स्पष्ट है कि वसुंधरा जोन में धड़ल्ले से नक्शे के विपरीत निर्माण हुआ है। ऐसे में आवास विकास के अधिकारियों ने इन पर कोई कार्रवाई भी नहीं की। इसे लेकर भी चर्चा है कि जिन अधिकारियों के कार्यकाल में अवैध निर्माण हुए हैं वह सभी जांच के दायरे में शामिल हो सकते हैं। अवैध निर्माण के बाद अब विभाग में तैनात अधिकारियों का रिकॉर्ड खंगाला जाएगा, जिसके बाद उन सभी से जवाब तलब किया जाएगा।

हर सेक्टर में नक्शे के विपरीत निर्माण किया-सूत्र बताते हैं कि अभियंताओं के सर्वे में स्पष्ट है कि कोई भी सेक्टर ऐसा नहीं है, जहां अवैध निर्माण न हुआ हो। आवास विकास के एकल भवन कई मंजिला बन चुके हैं

नीतीश सरकार के बाद अब कांग्रेस की बारी, सीडब्ल्यूसी बुलाकर लेगी जातिगत जनगणना पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को जातीय जनगणना के नाम पर एक हथियार मिलता दिख रहा है। इसी को धार देने के लिए पार्टी ने अब कार्यसमिति की बैठक बुलाने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक अगले सप्ताह यह मीटिंग होगी और इसमें जातीय जनगणना के मुद्दे पर कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर चर्चा होगी। पार्टी नेताओं के मुताबिक हाईकमान को लगता है कि यह मसला उसे कई राज्यों में उत्तर से दक्षिण तक लोकसभा इलेक्शन में संजीवनी प्रदान कर सकता है। राहुल गांधी तो लगातार मांग कर ही रहे हैं कि देश भर में जातीय जनगणना हो ताकि कमजोर तबके के लिए योजनाएं बनाई जा सकें, जिससे उन्हें फायदा हो।

माना जा रहा है कि इस मीटिंग में कांग्रेस इसे लेकर कुछ प्रस्ताव भी पारित कर सकती है। इसमें से एक प्रस्ताव यह भी हो सकता है कि आबादी के अनुपात में अब आरक्षण पर विचार किया जाए। इसके अलावा महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मिलने वाले 33 फीसदी आरक्षण में भी ओबीसी कोटा अलग से रखा जाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इसे लेकर

कांग्रेस भी अब जातिगत सर्वे को अपने लिए हथियार के तौर पर देख रही है। इसी को और धार देने के लिए उसने कार्यसमिति की मीटिंग बुलाई है, जिसमें कई बड़े फैसले हो सकते हैं। इसकी शुरुआत कर्नाटक से होगी।

उत्साहित हैं और देश भर में जातीय जनगणना चाहते हैं। भले ही यूपी और बिहार में इसका फायदा सपा, आरजेडी और जेडीयू जैसे दलों को मिले, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में उसे फायदा मिलेगा।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कर्नाटक में जातीय सर्वे के आंकड़े भी जारी किए जा सकते हैं। अब तक कई राज्यों में ऐसी मांग उठा चुकी कांग्रेस पर खुद दबाव है कि वह कर्नाटक के आंकड़े जारी करे। 2015 में ही पहले वाली सिद्धारमैया सरकार ने एक समिति का गठन किया था। उसे जातीय गणना का काम सौंपा गया और 170 करोड़ रुपये का बजट भी तय हुआ था। अब तक यह आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, जिसे भाजपा समेत कई लोग जारी करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस के लिए जातीय जनगणना परेशानी भी बन सकती है। इसकी वजह यह है कि आमतौर पर भाजपा के साथ जाने वाले लिंगायतों की आबादी काफी अधिक है और वे कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं।

कर्नाटक से पहल करेगी कांग्रेस, फिर दूसरे राज्यों में जाने की तैयारी

कांग्रेस के सीनियर नेता बीके हरिप्रसाद भी मांग कर चुके हैं कि बिहार की तर्ज पर ही कर्नाटक में जातीय जनगणा के आंकड़े जारी किए जाएं। उनका कहना है कि जातीय सर्वे की मांग लंबे समय से हो रही है और इससे उन जातियों के लिए योजनाओं को तैयार करने में मदद मिलेगी, जिन्हें वास्तव में मदद की दरकार है। अब जब राहुल गांधी भी इसके पक्षधर हो गए हैं तो उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस कर्नाटक से ही इसकी शुरुआत कर सकती है। यही नहीं छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसे चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल किया जा सकता है।

एमपी में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण

शिवराज ने 'लाडली बहनों' को दिया एक और तोहफा

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा दांव चल दिया है। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण में वृद्धि कर दी गई है। यहां महिलाओं को अब 35 फीसदी आरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने को लेकर कानून बनाया है। शिवराज सिंह चौहान ने महिला दिवस पर इसको लेकर ऐलान किया था कि महिलाओं के आरक्षण में वृद्धि की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य में अब तक महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण प्राप्त था, इसमें अब वृद्धि कर दी गई है। वन विभाग को छोड़कर राज्य सरकार के अधीन जितनी भी नौकरियां हैं उनमें

सीधी भर्ती के पदों पर 35 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। मध्य प्रदेश में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। करीब दो दशक से सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी को एंटी इनकंबेसी फैक्टर की चिंता सता रही है। ऐसे में एक तरफ जहां टिकट बंटवारे में बड़े फैसले करते हुए दिग्गजों को उतारा गया है तो दूसरी तरफ चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले शिवराज सिंह चौहान हर दिन कोई बड़ी घोषणा कर रहे हैं।

लाडली बहनों को खुश करने में जुटे मामा-खुद को मामा कहने वाले शिवराज इन दिनों महिलाओं को खुश करने का हर दांव चल रहे हैं। राज्य में कुल 2 करोड़ 62 लाख महिला वोटर्स हैं यानी कुल मतदाताओं में इनकी हिस्सेदारी 49 फीसदी है। आरक्षण से पहले शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना की शुरुआत की जिसके जरिए हर महीने उनके अकाउंट में रकम डाली जाती है। 1000 रुपए से इसकी शुरुआत हुई और इसमें वृद्धि की जा रही है। शिवराज सिंह चौहान ने इसे प्रति महीने 3000 रुपए तक ले जाने का वादा किया है।

चुनाव से पहले 10 करोड़ परिवारों पर नजर

कैसे चुपचाप बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की भाजपा सरकार 2024 के चुनाव से पहले चुपचाप एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार करने में जुटी है। एक तरफ मोदी सरकार ने उज्ज्वला स्कीम के तहत एलपीजी सिलेंडर लेने वाले लोगों के लिए 300 रुपये की अतिरिक्त छूट का ऐलान कर दिया है तो वहीं 1 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स को लोन भी बांट रही है। मोदी सरकार की ओर से 3 अक्टूबर को शेयर किए गए डेटा के मुताबिक अब तक पीएम स्वनिधि स्कीम के तहत 50 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को लोन बांटे जा चुके हैं। इसके तहत सरकार अधिकतम 50 हजार रुपये तक का लोन बिना किसी गारंटर के दे रही है।

MP में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण, शिवराज का फैसला

माना जा रहा है कि इस योजना से सरकार जाति और धर्म से परे एक बड़े तबके को लुभाने की तैयारी में है। इस स्कीम को मोदी सरकार ने कोरोना काल में शुरू किया था और इसके तहत 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता लोन के तौर

पर दी गई थी। अब इसी स्कीम में लोन की रकम को 50 हजार रुपये तक करने का फैसला हुआ है। एक तरफ पीएम स्वनिधि स्कीम के 1 करोड़ लाभार्थी तैयार करने का टारगेट और दूसरी तरफ उज्ज्वला स्कीम के 9.60 करोड़ लोगों को 300 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलना एक बड़ा कदम है।

दो ही स्कीमों से 10 करोड़ परिवारों पर है नजर

दरअसल इन्हीं दो स्कीमों के जरिए भाजपा कमजोर तबके में जमीन तैयार करने की कोशिश में है। इन दो स्कीमों से लगभग 10 करोड़ परिवारों को टारगेट करने की कोशिश है। 10 करोड़ परिवार का मतलब हुआ कि सरकार लगभग 50 करोड़ लोगों तक पहुंच बना रही है। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के जरिए वह पहले से ही किसानों को लुभाने की कोशिश में है। यही नहीं चर्चा है कि उस स्कीम के तहत भी किसानों को मिलने वाली रकम को बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल इस योजना के तहत साल में 3 बार 2,000 रुपये की रकम किसानों को मिलती है।

पीएम स्वनिधि योजना में कैसे मिल रहे हैं लोन

पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये के लोन दे रही है। ये लोन रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए कैपिटल मनी के तौर पर दिए जा रहे हैं। सरकार ने इस स्कीम में साल के अंत तक 1 करोड़ लोन बांटने का लक्ष्य तय किया है।

ममता बनर्जी के मंत्री रथिन घोष के आवास पर ईडी की छापेमारी

भर्ती घोटाले में हैं आरोपी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह-सुबह पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रथिन घोष के आवास पर छापेमारी की है। मध्यमग्राम नगर पालिका में कथित भर्ती घोटाले के सिलसिले में यह छापेमारी की जा रही है। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ममता के मंत्री के घर सहित कोलकाता में 13 स्थानों पर तलाशी ले रही है। आपको बता दें कि रथिन घोष मध्यमग्राम नगर पालिका के अध्यक्ष हैं। उनके खिलाफ सरकारी नौकरियों में अयोग्य उम्मीदवारों की भर्ती घोटाले में शामिल होने का आरोप है। ईडी उन आरोपों की जांच कर रही है जिसमें कहा गया है कि रथिन घोष और उनके सहयोगियों ने नौकरियों के बदले उम्मीदवारों से रिश्वत ली थी। छापेमारी जारी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रथिन घोष पहले मध्यमग्राम नगर निगम के अध्यक्ष थे। फिर उन्होंने 2011 में मध्यमग्राम विधानसभा सीट जीती। 2014 से 2018 के बीच मध्यमग्राम सहित राज्य की विभिन्न नगर पालिकाओं में भर्ती भ्रष्टाचार की शिकायतें आई हैं। नगर पालिकाओं की करीब 1500 रिक्तियां ईडी की जांच के दायरे में हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, रथिन घोष का नाम अयान शील की कंपनी में ईडी की तलाशी

के बाद सामने आया, जो भर्ती प्रक्रिया में शामिल था। अयान शील फिलहाल हिरासत में हैं। उनके कार्यालय में मिले दस्तावेजों से विभिन्न व्यक्तियों के साथ लेनदेन का पता चलता है।

'आग से खेल रहे हैं राहुल गांधी'

मंत्री रिजिजू ने बताया- जितनी आबादी-उतना हक की मांग भारत को खत्म कर देगी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने बिहार में हुए जातिगत सर्वे को लेकर कहा है कि जिसकी जितनी आबादी, उसका उतना हक होना चाहिए। हालांकि, सांसद राहुल इसपर पिछले कई दिनों से सार्वजनिक तौर पर बोल रहे हैं। राहुल गांधी की इस मांग पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनपर हमला बोलते हुए कहा है कि राहुल गांधी आग से खेल रहे हैं।

रिजिजू ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, ÷राहुल गांधी आग से खेल रहे हैं। उनकी जितनी आबादी-उतना हक की मांग भारत को खत्म कर देगी। अरुणाचल प्रदेश, पहाड़ी उत्तर-पूर्वी राज्य, लद्दाख और हजारों छोटे समुदाय जिनकी आबादी कम है, वे हर चीज से वंचित हो जाएंगे। दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों का कभी विकास नहीं होगा क्योंकि ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और प्रतिकूल क्षेत्रों में बहुत कम लोग रह सकते हैं। भारत के अल्पसंख्यकों को देश निर्माण में कभी अवसर नहीं मिलेगा।

राहुल गांधी की क्या है मांग?

बता दें कि सांसद राहुल गांधी ने बिहार में हुए जातिगत सर्वे को लेकर कहा कि केंद्र सरकार के 90 सचिवों में से सिर्फ तीन ही ओबीसी हैं, जो देश का 5 फीसदी बजट कंट्रोल करते हैं। कांग्रेस नेता ने जोर देते हुए कहा है कि ये बहुद जरूरी है कि भारत के जातिगत आंकड़ों को आना चाहिए। जितनी आबादी उतना हक, हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

अपने देश को बंटने नहीं दें, बल्कि एकजुट करें-रिजिजू

राहुल गांधी की इसी मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने जवाब दिया है। इससे पहले एक ट्वीट में किरेन रिजिजू ने लिखा, याद रखिये, निशाने पर न ब्राह्मण है, न राजपूत है, न दलित है, न पिछड़े है, न सिख है, न मुसलमान है और न ही कोई इसाई है। कुछ नेता लोग केवल सत्ता की भूख में यह सब कर रहे हैं क्योंकि निशाने पर भारत है। आइए अपने देश को बंटने नहीं दें, बल्कि एकजुट करें। राहुल गांधी का मानना है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। साथ ही वो लगातार देशव्यापी जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।

शराब घोटाले में सिसोदिया के बाद फंसे संजय, पोस्टर के पीछे क्या है बीजेपी का प्लान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद जहां उनकी पार्टी आगबबूला है तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिल्ली के सत्ताधारी दल पर आक्रामक होने का मौका मिल गया है। शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया के बाद संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा ने तंज कसते हुए एक फिल्मी पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें नेताओं को सलाखों के पीछे दिखाया गया है।

दिल्ली भाजपा ने गुरुवार सुबह अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया किया, जिसे गोविंदा और संजय दत्त की फिल्म 'दो कैदी' के तर्ज पर डिजाइन किया गया है। गोविंदा और संजय दत्त की तरह भाजपा के पोस्टर में सलाखों के पीछे मनीष सिसोदिया और संजय सिंह दिख रहे हैं। पोस्टर पर लिखा है, दो कैदी, अब तिहाड़ के थियेटर में। पोस्टर में ऊपर लिखा है, भ्रष्ट AAP in association with Sharab Ghotala Presents'

दरअसल, संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद बीजेपी की कोशिश है कि इस मौके का इस्तेमाल आप की साख को चोट करके फायदा उठाया जाए। एक दशक पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन

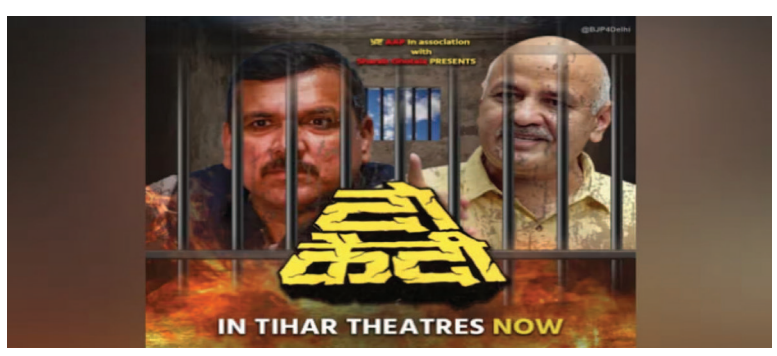

की कोख से जन्मी 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पार्टी को देश की सबसे ईमानदार पार्टी बताते हैं। ईमानदारी की छवि आप' की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है, जिस पर चोट करके भाजपा उसे कमजोर करने की कोशिश कर रही है। यही वजह है कि केजरीवाल सरकार पर लगने वाले भ्रष्टाचार के आरोपों को भाजपा पूरे दमखम से उठाती है। हालांकि, आम आदमी पार्टी परसेप्शन की इस लड़ाई में जनता के सामने खुद को बदले की राजनीति का शिकार बताते हुए विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रही है।

आप के विधायक दिलीप पांडे ने भाजपा के पोस्टर पर पलटवार करते हुए कहा, %भाजपा ने सुचिता की राजनीति बहुत पहले छोड़ दी है। अहंकार और बदले की राजनीति, एकमात्र लकीर पर भाजपा चल रही है। दिल्ली की जनता भाजपा के कृत्य को अच्छे से जान गई है। अब जो भाजपा कर रही है, सफेद छूठ बोलना, मनगढ़त आरोप लगाना, उसे सिर्फ दिल्ली नहीं पूरी देश की जनता देख रही है। 8 घंटे की रेड मारी संजय सिंह के घर पर और कुछ नहीं मिला, फिर भी उन्हें जबरन गिरफ्तार किया गया। भाजपा समझ नहीं पा रही है, देश के सामने भाजपा की नफरत की राजनीति एक्सपोज हो चुकी है।

संपादकीय

पदकों का कीर्तिमान

एशियाड में भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन का जारी रहना सुखद और प्रशंसनीय है। बुधवार को भारत ने एशियाई खेलों में 70 पदक जीतने का अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया और अब उसकी पदक-यात्रा नए कीर्तिमान की ओर बढ़ चली है। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किया गया प्रदर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी है। जिस प्रकार से विभिन्न खेलों में भारतीयों ने प्रदर्शन किया है, उससे भविष्य के लिए खेल-योजना बनाने में मदद मिलेगी। इसमें कोई शक नहीं कि सीमित संसाधनों और कमजोर खेल-बुनियाद के बावजूद भारतीय खेलों की तस्वीर बदलने लगी है। खेलो इंडिया अभियान को पांच वर्ष ही बीते हैं और उसके नतीजे सतह पर दिखने लगे हैं। जाहिर है, खेल विकास की विशेष योजनाओं व प्रयासों को बल मिलने वाला है। जब किसी बड़ी प्रतियोगिता से देश के लगभग सौ खिलाड़ी पदक लेकर आते हैं, तब यह देश के समाज पर सकारात्मक और स्थायी असर डालने वाली घटना होती है। 19वें एशियाई खेलों का असर भी भारतीय खेल तंत्र पर गहरे पड़ने वाला है। पदकों के कीर्तिमान पर देश के बच्चों और युवाओं की नजर अवश्य जाएगी। एशियाई खेलों में ज्यादातर खिलाड़ियों का प्रदर्शन आशा के अनुरूप ही रहा है। लड़कियों का प्रदर्शन अलग से रेखांकित करने योग्य है। गांव-देहात की लड़कियों ने भी चीन के हांगझोउ में झंडे गाड़ दिए हैं। लंबी दौड़, भाला फेंक, तलवारबाजी, टेबल टेनिस इत्यादि कुछ ऐसे खेल हैं, जिनमें लड़कियों ने भारत के लिए एक नई शुरुआत की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़कियों में वह अनु रानी भी शामिल हैं, जो अपने गांव के खेतों में गन्ने को भाला बनाकर फेंका करती थीं। उन्हें जब सुविधा मिली, तो उन्होंने विश्व स्तर पर कमाल कर दिखाया। बिल्कुल जमीन से उठे ऐसे खिलाड़ियों की वीरगाथा जब लोगों की निगाह में आती है, तो पुरुषार्थ के नए लक्ष्य खड़े होते हैं। एक और बात ध्यान रखने की है कि भारत में खेल सुविधाओं की कमी धीरे-धीरे दूर हो रही है, तो अनु रानी और पारुल चौधरी की राह कोई रोक नहीं सकता। पारुल चौधरी तो अपने गांव की टूटी-फूटी सड़क पर भी दौड़ा करती थीं, पर जब परिवार ने प्रोत्साहित किया, तब वह एशियाड में 5,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण ले आईं। मतलब, खेलों में उत्थान के तीन ही मुख्य आधार हैं, प्रेरणा, प्रोत्साहन और सुविधा, इन्हीं पर भारत को ज्यादा काम करने की जरूरत है। भारतीयों में न तो प्रतिभा कम है, न जुनून, और न मेहनत में कोई कमी रहती है। इस 19वें एशियाड की विजयगाथाओं का पर्याप्त प्रचार-प्रसार भी जरूरी है। अभी चार दिन का खेल शेष है, और भी पदक भारत को मिलेंगे, पर तब भी यह सोचना होगा कि क्या हमने पर्याप्त पदक जीते हैं? नई दिल्ली में 1951 में एशियाई खेलों की जब शुरुआत हुई थी, तब भारत का एशिया के स्तर पर शानदार आगाज हुआ था। तब हम कुल 51 पदक जीते थे। बाद में हमारा प्रदर्शन सुधरने के बजाय बिगड़ता गया, ऐसे भी मौके आए, जब हम एशियाड में महज 13 पदक ही जीत पाए। अब जकार्ता 2018 से जो निर्णायक मोड़ आया है और जो बढ़त भारत ने हासिल की है, उसे आगे थमने नहीं देना चाहिए। ध्यान रहे, चीन अकेले ही 165 से भी ज्यादा स्वर्ण जीत चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया भी कुल 150-150 पदकों के करीब पहुंच गए हैं। मतलब, आगे हमारा रास्ता लंबा है, हमें ज्यादा तेज चलना होगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

बेरोजगारी की समस्या का हल निकालने में मिल रही है सफलता

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

भारतीय सनातनी वेदों एवं ग्रंथो में इस बात के कई प्रमाण मिलते हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि भारत सदैव ही आर्थिक रूप से सम्पन्न देश रहा है एवं भारत के समस्त नागरिकों के लिए रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध रहे हैं। मुद्रा स्फीति, आय की असमानता, बेरोजगारी एवं ऋण के भारी बोझ के तले दबे रहना जैसे शब्दों का तो प्राचीन भारत के आर्थिक इतिहास में वर्णन नहीं के बराबर मिलता है। भारत के समस्त नागरिकों की पर्याप्त मात्रा में आय होती थी जिससे वह अपने परिवार का आसानी से गुजर बसर कर पाते थे एवं समाज में समस्त नागरिक प्रसन्नता पूर्वक रहते थे। दरअसल प्राचीन भारत के उस खंडकाल में नागरिकों में उद्यमशीलता अपने चरम पर थी। परिवार के जमे जमाए व्यवसाय पीढ़ी दर पीढ़ी सफलतापूर्वक आगे चलते रहते थे एवं परिवार के सदस्यों के आय अर्जन का मुख स्त्रोत बने रहते थे। इस दृष्टि से नागरिकों को सामान्यतः नौकरी के लिए परिवार के पारम्परिक व्यवसाय के बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। इस प्रकार उस खंडकाल में बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न ही नहीं होती थी। भारत पर आक्रांताओं के आक्रमण एवं इसके तुरंत बाद अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय नागरिकों की उद्यमशीलता को समाप्त कर उनमें नौकरी करने की भावना को विकसित किया गया क्योंकि अंग्रेजों को अपने शासन को सुचारू रूप से संचालन के लिए नौकरों की आवश्यकता थी। अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की शिक्षा पद्धति को भी कुछ इस प्रकार से परिवर्तित किया गया कि भारतीय नागरिक अपनी पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात अंग्रेजों के संस्थानों में केवल नौकरी कर सके। दीर्घकाल में इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय नागरिक केवल नौकरी को ही रोजगार का साधन मानने लगे और उन्हें यदि नौकरी नहीं मिल पाती तो वे अपने आप को बेरोजगार मानने लगे। भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता तो जैसे समाप्त ही हो गई थी। परंतु, पिछले लगभग 10 वर्षों के दौरान भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता को पुनः पैदा करने के अथक प्रयास किये गए हैं, जिनमे सफलता भी मिलती दिखाई दे रही है और भारत में अब पुनः बहुत बड़ी मात्रा में उद्यमों को स्थापित किया जा रहा है, जिससे भारतीय नागरिक अब धीरे धीरे नौकर नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनते जा रहे हैं। पिछले एक दशक के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने भारतीय नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नई योजनाएं प्रारम्भ की हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारम्भ की गई थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को सुरक्षित बेहतर आजीविका प्राप्त करने के लिए उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना था। वर्ष 2016 में स्टार्ट-अप इंडिया योजना देश में लागू की गई थी। इस योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा तंत्र विकसित करना था, जो पूरे देश में उद्यमिता का पोषण और प्रचार करता हो। वर्ष 2016 में ही स्टैंड अप इंडिया योजना प्रारम्भ की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और एससी/एसटी उधारकर्ताओं को 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण की सुविधा तथा ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए 1 करोड़ रु. तक का ऋण प्रदान करना था। इसके पूर्व, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन की स्थापना कौशल भारत एजेंडे को मिशन मोड में चलाने के लिए की गई थी ताकि मौजूदा कौशल प्रशिक्षण पहलों को एकजुट किया जा सके और कौशल प्रयासों के पैमाने और गुणवत्ता को गति के साथ जोड़ा जा सके। इन योजनाओं के साथ ही भारतीय नागरिकों और राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को सम्बोधित करने के लिए भारत सरकार द्वारा कई अन्य योजनाएं (पीएमगरीब कल्याण योजना, आयुषमान भारत, प्रसाद योजना, आदि) भी प्रारम्भ की गई हैं। विभिन्न सरकारों के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे कुछ सांस्कृतिक संगठनों ने भी भारत में रोजगार के अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से कई अन्य सामाजिक संस्थाओं को साथ लेकर भी कुछ प्रयास प्रारम्भ किया गए। संघ ने तो अपने कुछ अनुशांगिक संगठनों को यह जिम्मेदारी सौंपी कि वे इस क्षेत्र में विशेष प्रयास करें। इन सामाजिक, आर्थिक एंड सांस्कृतिक संगठनों ने मिलकर समाज में विशेष रूप से युवा नागरिकों के उद्यमशीलता को पुनः विकसित करने के सफल प्रयास किए हैं एवं अब एक बार पुनः भारत में उद्यमों को बढ़ावा मिलता दिखाई दे रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में कर्मचारी भविष्यनिधि संस्थान में रजिस्टर हुए नए सदस्यों की संख्या वित्तीय वर्ष 2018-19 में 61 लाख थी जो वित्तीय वर्ष 1920-21 में 77 लाख, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 122 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़कर 139 लाख हो गई है। इस संख्या में लगातार सुधार से आशय यह है कि देश में युवाओं को फोर्मल रोजगार बड़ी संख्या में मिल रहे हैं। यहां इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि इस दौरान विश्व के अन्य देशों में कई कम्पनियों में कर्मचारियों की छटनी की गई है। इसी प्रकार पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार जनवरी 2022 से भारत में बेरोजगारी की दर में लगातार कमी देखने को मिल रही है। जनवरी 2022 में देश में बेरोजगारी की दर 8.2 प्रतिशत थी जो अप्रेल-जून 2022 तिमाही में घटकर 7.6 प्रतिशत तो वहीं जुलाई-सितम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत, अकटोबर-दिसम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत से घटाकर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में 6.8 प्रतिशत पर आ गई है। सीएमआईई द्वारा जारी एक अन्य जानकारी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर मार्च 2023 में घटकर 7.6 प्रतिशत हो गई है जो मार्च 2022 में 8 प्रतिशत एवं मार्च 2021 में 10 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक) में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में घटकर 9.2 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि एक वर्ष पहिले इसी तिमाही में 10.1 प्रतिशत थी। वहीं, पुरुषों में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर इस वर्ष पहली तिमाही में कम होकर 6 प्रतिशत रही, जो एक वर्ष पूर्व 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में 7.7 प्रतिशत थी।

देश में राज्यवार बेरोजगारी का विश्लेषण करने पर ध्यान में आता है कि 10 प्रतिशत से अधिक बेरोजगारी की दर वाले राज्य हैं, हरियाणा में 37.4 प्रतिशत, राजस्थान में 28.5 प्रतिशत, दिल्ली में 20.8 प्रतिशत, बिहार में 19.1 प्रतिशत, झारखंड में 18 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 14.8 प्रतिशत, त्रिपुरा में 14.3 प्रतिशत एवं सिक्किम में 13.6 प्रतिशत है। जबकि 5 प्रतिशत के कम बेरोजगारी की दर वाले राज्य हैं ओड़िसा में 0.9 प्रतिशत, गुजरात में 2.3 प्रतिशत, कर्नाटक में 2.5 प्रतिशत, मेघालय में 2.7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 3.1 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 3.2 प्रतिशत, छतीसगढ़ में 3.4 प्रतिशत, तेलंगाना में 4.1 प्रतिशत, उत्तराखंड में 4.2 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 4.3 प्रतिशत, तमिलनाडु में 4.7 प्रतिशत, आसाम में 4.7 प्रतिशत एवं पुडुचेरी में 4.7 प्रतिशत। विशेष रूप से मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश राज्य, जो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल थे, में बेरोजगारी की दर में अतुलनीय रूप से कमी दृष्टिगोचर हुई है।

जनवरी-मार्च 2023 अवधि में देश में 45.2 फीसदी नागरिकों को रोजगार मिला हुआ है जो इससे पहले की तिमाही में 44.7 फीसदी पर था। उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक के दौरान भारत ने आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ी छलांग लगाई है। स्पष्ट है कि सरकार ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे भी संबल प्रदान करने की तमाम कोशिशें की हैं। जिसके परिणामस्वरूप, भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की शिक्षा पद्धति को भी कुछ इस प्रकार से परिवर्तित किया गया कि भारतीय नागरिक अपनी पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात अंग्रेजों के संस्थानों में केवल नौकरी कर सके। दीर्घकाल में इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय नागरिक केवल नौकरी को ही रोजगार का साधन मानने लगे और उन्हें यदि नौकरी नहीं मिल पाती तो वे अपने आप को बेरोजगार मानने लगे। भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता तो जैसे समाप्त ही हो गई थी।

हर पल सृजन में जुटे समाज के योगदान को पहचान

(अमिताभ स.)

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना को विश्वकर्मा समाज के लिए देश का बड़ा सलाम कह सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी ज़ैल सिंह, फ़िल्म मेकर रामानन्द सागर, गज़ल फ़नकार जगजीत सिंह समेत तमाम क्षेत्रों में विश्वकर्मा वर्ग की शख्सियतों ने सराहनीय योगदान दिया है। हाल ही में, पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना की शुरुआत क्या हुई, 13,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी सरकारी योजना ने देश का ध्यान विश्वकर्मा समाज की ओर खींचा है। वाकई हर पल निर्माण कार्य में जुटे हैं विश्वकर्मा समाज के लोग। इन्हें कहीं-कहीं विश्व ब्राह्मण और विश्वकर्मा पंचाल कहा गया है, जिसके अंतर्गत लोहार, बढ़ई, ठठेरा, सुनार और शिल्पकार वैदिक काल के पंच कामगार जन आते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विश्व ब्राह्मण भगवान विश्वकर्मा के पांच पुत्र हैं- मनु, माया, तवस्था, शिल्पी और विश्वजन्य। इन्हीं का रूप हैं विश्वकर्मा समाज के पांच जन। भारत के गांव-देहात के आर्थिक विकास में अहम भूमिका अदा करते-करते विश्वकर्मा समाज विभिन्न प्रदेश ही नहीं, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, सिंगापुर और सारी दुनिया में फैलता गया है। विश्वकर्मा के सबसे सुव्यवस्थित औद्योगिक वर्ग 'वीर पंचाल' में सुनार, लुहार, बढ़ई और राजमिस्त्री शामिल हैं। विश्वकर्मा पंचाल को सभ्यता, संस्कृति और धर्म का प्रचारक बताया गया, क्योंकि उन्होंने कला के जरिये हिंदू धर्म और बाद में सिख धर्म को भी दुनिया भर में फैलाया। इंडो-आर्यन समाज में इनकी कद्र अन्य वर्ण से कम नहीं रही। इसलिए 'मास्टर बिल्डर' के तौर पर विख्यात शिल्प शास्त्री यानी विश्वकर्मा पंचाल समाज के लोगों को धर्म गुरुओं के बराबर आचार्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसी समाज के जनक सृष्टि रचयिता ब्रह्माजी के पुत्र भगवान विश्वकर्मा निर्माण कला के सर्वसंपन्न देव हैं। भगवान विश्वकर्मा वास्तुशास्त्र के रचनाकार हैं और चारों युगों में निर्माण की मिसालें पेश की हैं। सतयुग में स्वर्ग लोक, त्रेता युग में सोने की लंका, द्वापर युग में द्वारका नगरी और हस्तिनापुर व इंद्रप्रस्थ का निर्माण उन्हीं के हाथों हुआ बताते हैं। हर साल सितंबर में कामगार विश्वकर्मा पूजा करते हैं, तो कुछ दीवाली के अगले दिन अपने औजारों-यंत्रों की पूजा के रूप में भगवान विश्वकर्मा की आराधना करते हैं। ताकि आने वाले साल में उनके औजार बेहतर काम करें और ज्यादा मुनाफा कमाएं। यजुर्वेद के मुताबिक, विश्वकर्मा या विश्व ब्राह्मण के 5 गोत्र या कुल हैं। गोत्र या कुल का नामकरण देव ऋषियों पर हुआ। सनगा, सानतन, अभुवन, प्रतनन और सुपर्ण नामक पांच गोत्र आगे 25 उपकुलों में बंटे हैं। सभी भगवान विश्वकर्मा को अपना कुल देवता या कुल गुरू मानते हैं। देश के अलग- अलग प्रदेशों में विश्वकर्मा समाज के अलग- अलग सरनेम प्रचलित हैं। केरल, कर्नाटक, गोवा व देश के बाकी राज्यों में भी अन्य उपनामों के विश्वकर्मा होते हैं। इतिहास गवाह है कि मध्य प्रदेश के विश्वकर्मा ब्राह्मणों ने 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ झांसी की रानी को बम-बारूद और अस्त्र-शस्त्र सप्लाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हथियार बनाने में महारत के चलते अंग्रेज भी इनसे खासे प्रभावित हुए। इसलिए विश्व युद्ध के लिए बंदूकें, कारतूस, तोप वगैरह तमाम अस्त्र-शस्त्र मुहैया कराने के मकसद से जबलपुर कारखाने में सैकड़ों विश्वकर्माओं को नौकरियां दीं। आजादी की लड़ाई से आजाद भारत की राजनीति तक विश्वकर्मा समाज का झंडा बुलंद है। लोहार परिवार से बिहार के सरदार राम प्रताप सिंह काला पानी की सजा यानी सेलुलर जेल से जिंदा लौटने वाले पहले स्वतंत्रता सेनानी थे। विश्वकर्मा समाज के ज्ञानी जैल सिंह पंजाब की राजनीति की सीढ़ियां चढ़कर 1982-87 के दौरान राष्ट्रपति की कुर्सी पर विराजमान हुए। उधर, सिंगापुर के छठे राष्ट्रपति एसआर नाथन भी भारतीय मूल के विश्वकर्मा वंश के हैं। कला, मनोरंजन और खेल के क्षेत्र में विश्वकर्माओं ने निरंतर ऊंचाइयों को छुआ है। अपनी सुकून भरी आवाज के जादू से सारी दुनिया का दिल जीतने वाले गज़ल फ़नकार जगजीत सिंह विश्वकर्मा ब्राह्मण थे और उनका सरनेम धीमान था। बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म मेकर रामानंद सागर ने तो 'रामायण' और 'श्रीकृष्ण' सीरियलों की रचना कर खासी शोहरत हासिल की। सागर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा समाज का सरनेम है। हीरो अजय देवगन 'फूल और कांटे' से सिल्वर स्क्रीन पर आए और छाए हैं। शंकर-जयकृष्ण फेम संगीत निर्देशक बंधु के जोड़ीदार जयकृष्ण का सरनेम पंचाल है, जो विश्वकर्मा है। साहित्य, वास्तु, मेडिकल, पुलिस, न्याय, इंजीनियरिंग वगैरह हर क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने नाम कमाया है। बहरहाल, योजना के तहत दर्जी, धोबी, नाई समेत 18 क्षेत्रों के कामगारों को 1 और 2 लाख रुपये की दो किस्तों में कुल 3 लाख रुपये का कर्ज महज 5 फीसदी ब्याज दर पर देने की ऑनलाइन प्रक्रिया चालू हो चुकी है। इसे विश्वकर्मा समाज के निर्माण कार्यों को देश का सलाम कह सकते हैं।

विचार मंथन

धार्मिक ध्रुवीकरण का खेल जातिगत जनगणना से बदल गया

(लेखक - सनत जैन)

पिछले एक दशक से भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर राजनीति की जो तेज बयार बह रही थी, अब जाति जनगणना से चुनौती मिलती हुई दिख रही है। बिहार में जाति जनगणना के साथ ही पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को एकजुट करने के लिए जो राजनीति शुरू हुई है, उसका असर आब विभिन्न जातियों की एकजुटता पर पडना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पसमांदा मुसलमानों को लेकर एक नया मुस्लिम ध्रुवीकरण धा र्मिक आधार पर बनाने की तैयारी की थी। यदि इसे शामिल कर लिया जाता, तो गैर आरक्षित जातियों का प्रतिशत 15 फ़ीसदी से और नीचे चला जाता। जनगणना ने देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को धार्मिक दृष्टि से देखने के स्थान पर संवैधानिक तरीका अपनाते हुए सामाजिक दृष्टि से न्याय माना जा रहा है। इसमें धर्म के स्थान पर अब सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण को जातिगत जनगणना से मजबूती मिलेगी भारत में जनसंख्या के लिहाज से सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ओबीसी है। आबादी में 50 से लेकर 65 फीसदी तक ओबीसी जातियां हैं। डॉ राम मनोहर लोहिया ने 1957 में लिखा था कि पिछड़ों की आबादी 60 फ़ीसदी है। तब वह जनसंघ में थे। यही बात वर्तमान में नीतीश कुमार और लालू यादव कह रहे हैं। पिछडे वर्ग की लड़ाई में दलित और आदिवासी नेपथ्य में चले जाएंगे यह आशंका भी व्यक्त की जाती है। 1980 दशक में काशीराम और मायावती ने दलितों को एकजुट करने के लिए राजनीतिक प्रयास किए थे, इसमें उन्हें सफलता भी मिली। बसपा में बड़ी संख्या में दलित और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए मुस्लिम एकजुट हुए जिसके कारण 1980 के बाद से बसपा एक बड़ी ताकत के रूप में देश भर में पहचान बनाने में सफल रही उत्तर प्रदेश में 2007 में बसपा की सरकार स्पष्ट बहुमत से बनी। यह एक बडा राजनीतिक प्रयोग था। इसके जवाब में पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी बड़ी असरकारिक साबित हुई है। पिछड़े वर्ग का यह नेतृत्व यादव समाज कर रहा था। इसमें विभिन्न पिछड़ी जातियां जिसमें लोधी, काछी, राजभर, निषाद, गडरिया इत्यादि शामिल हो गए थे। गैर यादव पिछड़ी जातियों में भाजपा ने पिछले वर्षों में सेंध लगाई है। जिससे पिछड़ा वर्ग कमजोर हुआ था। यादव नेतृत्व की ताकत पिछले वर्षों में घटी थी। राम मंदिर निर्माण को लेकर हिंदुओं के बीच धा र्मिक आधार परजो ध्रुवीकरण किया गया, उसका लाभ भाजपा के पक्ष में गया था। जिसमें सभी गैर मुसलमान और गैर ईसाई बड़ी संख्या में शामिल हो गए थे। 2011 में सामाजिक आर्थिक जनगणना कराने का काम शुरू किया गया था। आर्थिक आधार के कारण जातिगत चेतना मंद पड़ी थी। हिंदू एकता के नाम से सबको एकत्रित किया गया रोनी कमीशन बनाकर यह विश्वास दिलाया गया था, कि सभी वर्गों को उनकी संख्या के हिसाब से लाभ दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने इसको एक राजनीतिक हथियार की तरह उपयोग किया था। चुनाव के समय इसका बड़ा प्रचार प्रसार किया जाता था, लेकिन रोहिणी कमीशन और पिछड़े वर्ग को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार जाति जनगणना को लेकर पीछे हट गई। जाति जनगणना का यह पिटारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खोल दिया है। बिहार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इस मामले में लालू और नीतीश के साथ है। इंडिया गठबंधन के अन्य राजनीतिक दल भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। पिछले 10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। 90 के बाद से भारतीय जनता पार्टी का जनाधार धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बड़ी तेजी के साथ बढा था, लेकिन एक बार फिर सामाजिक न्याय के नाम पर अति पिछडों और अति दलितों को एकजुट करने का काम इस जाति जनगणना ने कर दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी इसका बाहर से समर्थन करते हुए दिखाई पड़ रही है। लेकिन सत्ता में रहते हुए उसे जो करना चाहिए, वह नहीं करने के कारण भारतीय जनता पार्टी अलग-अलग पड़ती नजर आ रही है। हिंदुत्व को लेकर जो बयार भाजपा ने बहाई थी, अब वही बयार नीतीश कुमार, लालू यादव और कांग्रेस घेरने की तैयारी कर रही है। इसका बड़ा असर होते हुए भी दिख रहा है। राजनीति के इस खेल में जातिगत जनगणना अब धार्मिक ध्रुवीकरण को पीछे छोड़ते हुए नजर आ रही है। निश्चित रूप से हिंदू आबादी का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा दलित आदिवासी वर्ग से आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में एक बार फिर तेजी लौटी है और गुरुवार को बाजार बढ़त पर बंद हुआ। वहीं पिछले दो दिनों से बाजार में गिरावट रही थी। आज दुनिया भर के बाजारों से प्राप्त मिले-जुले संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) से बाजार में ये उछला आया है। इससे बाजार में उत्साह का माहौल है । व्यापक बाजारों में, मिडकैप सूचकांक 0.03 फीसदी जबकि दूसरी ओर स्मॉलकैप सूचकांक 0.6 फीसदी ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 405.53 अंक करीब 0.62 फीसदी ऊपर आकर 65,631.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,753.20 तक ऊपर जाने के बाद 65,443.34 तक गिरा। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 109.65 अंक करीब 0.56 फीसदी उछलकर 19,545.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,576.95 की ऊंचाई तक गया और 19,487.30 तक गिरा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 23 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एलएंडटी, टाइटन, टीसीएस, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ एलएंडटी के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.35 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में केवल 7 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एनटीपसी, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक और बजाज फाइनैंस सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.26 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा टाटा स्टील और रिलायंस के शेयरों को भी नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 352.82 अंक की बढ़त के साथ 65,573.28 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 102.10 अंक की बढ़त के साथ 19538.75 के स्तर पर नजर आ रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 409.98 अंक की बढ़त के साथ 65,636.02 के स्तर पर नजर आ रहा था। वहीं निफ्टी 112.65 अंक की बढ़त के साथ 19548.75 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

यूएई के अल-एतिहाद के साथ समझौता करेगा एनपीसीआई

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय इकाई एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए अबूधाबी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल-एतिहाद पेमेंट्स के साथ समझौता करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत के रुपे डेबिट और क्रेडिट कार्ड व्यवस्था के आधार पर यूएई की घरेलू कार्ड योजना को विकसित कर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री पांच और छह अक्टूबर को अबूधाबी में एक उद्योग प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे। गोयल अबूधाबी निवेश प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक शेख हमीद बिन जायद अल नाहयान के साथ निवेश पर भारत-यूएई उच्च स्तरीय कार्य बल(एचएलटीएफआई) की 11वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। बैठक में निवेश मंत्री और एडीक्यू के प्रबंध निदेशक और सीईओ मोहम्मद हसन अलसुवैदी, विदेश व्यापार राज्य मंत्री थानी बिन अहमद अल जायौदी, यूएई के केंद्रीय बैंक के गवर्नर खालिद मोहम्मद बलामा और दोनों देशों के राजदूत भाग लेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के देशों में मौजूदा निवेश से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

भारत कनाडा की तनातनी से यूपी के कई व्यापारी परेशान, ऑर्डर हुए कम

कानपुर । भारत और कनाडा के बीच में तनातनी का असर कानपुर के कारोबार और व्यापारियों पर भी पड़ा है। कानपुर और कनाडा के बीच में कई व्यापारिक रिश्ते हैं। यहां से बड़ी संख्या में लेदर टेक्सटाइल प्लास्टिक प्रोडक्ट्स समेत कई और प्रोडक्ट भारी संख्या में निर्यात होते हैं। वहीं अब जब भारत और कनाडा के बीच में तनातनी छिड़ी हुई है ऐसे में कारोबारी के करोड़ों रुपए भी फंस गए हैं। शहर से बड़ी संख्या में उत्पाद और रॉ मैटेरियल कनाडा निर्यात किया जाता है। ऐसे में शहर में कई बड़े एक्सपोर्टर है जिनका करोड़ों रुपए दोनों देशों के बीच बने विवाद में फंसा हुआ है क्योंकि ऑर्डर बेहद कम हो गए हैं। ऐसे में जो माल पहले भेजा जा चुका है उसकी पेमेंट अभी तक नहीं हुई है तो व्यापारियों को उनके पैसे खतरे में नजर आ रहे हैं। करोड़ों रुपए का व्यापार भी उनका अधर में पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत और कनाडा के बीच में जो तकरार चल रही है उसका असर कानपुर के व्यापारियों पर भी पड़ा है। कनाडा से मिलने वाले ऑर्डर की संख्या में गिरावट हुई है जिस वजह से व्यापारी भी परेशान है। वहीं कनाडा और कानपुर के निर्यात की बात की जाए तो यहां से सभी उत्पाद मिलकर सालाना लगभग 650 करोड़ रुपए का निर्यात होता है, जिसके चलते व्यापारी भी परेशान है।

सिक्किम में बाढ़ से एनएचपीसी के दो बिजली संयंत्र प्रभावित

नई दिल्ली । सिक्किम के तीस्ता बेसिन में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनएचपीसी के दो जलविद्युत संयंत्र बुधवार को अचानक आई बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि तीस्ता-वी पावर स्टेशन (510 मेगावाट) और तीस्ता-वीआई (500 मेगावाट) संयंत्र प्रभावित हुए हैं। एनएचपीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी लैंको तीस्ता हाइड्रो पावर लिमिटेड इनका काम संभालती है। एनएचपीसी ने कहा कि यह भी सूचित किया जाता है कि आपात स्थिति को देखते हुए तीस्ता-वी पावर स्टेशन की सभी इकाइयों को बंद कर दिया गया है। जलस्तर कम होने के बाद नुकसान का आकलन किया जाएगा।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां 13 साल के उच्चतम स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मांग में मजबूती आने की वजह से सितंबर में 13 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। वहीं समग्र व्यापार में सुधार के कारण नौकरियों बढ़ रही हैं। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त के 60.1 से बढ़कर सितंबर में 61 पर पहुंच गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों पर आधारित है। नए आंकड़ों के अनुसार भारतीय सेवा प्रदाताओं के साथ नए कारोबार में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई है, जो जून 2010 के बाद से दूसरी सबसे तेज वृद्धि है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा` कि नवीनतम पीएमआई परिणाम भारत की सेवा अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक सकारात्मक खबरें लेकर आए हैं। सितंबर में व्यावसायिक गतिविधियां और नए कारोबार की संख्या 13 वर्षों में उच्चतम सीमा तक बढ़ी हैं। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों ने आने वाले वर्ष में स्वस्थ बाजार की गतिशीलता बने रहने और भारी मांग का अनुमान लगाया है। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स सितंबर में बढ़कर 61 पर पहुंच गया, जो अगस्त में 60.9 पर था।

2008 जैसी वैश्विक मंदी का कारण बन सकती हैं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें: हरदीप पुरी

- कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल या उससे थोड़ा कम देशों के लिए सुविधाजनक मूल्य सीमा होगी

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इससे 2008 की विनाशकारी स्थिति दोहराई जा सकती है, जब तेल कीमतें आसमान छू गईं और मांग घटने पर गिर गईं। पुरी ने कहा` कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की मात्रा के साथ जहां ब्याज दरों में बढ़ोतरी अतिरिक्त तरलता को खत्म करने में सक्षम नहीं है, आपके सामने ऐसी स्थिति होगी, जब तेल की कीमतें 2008 के परिदृश्य को दोहराएंगी। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या वैश्विक अर्थव्यवस्था फिर से 2008 की आर्थिक उथल-पुथल जैसी स्थिति का गवाह बनने जा रही है, जो एक स्व-पूर्ति की भविष्यवाणी बन गई थी। ब्रेंट की कीमतें शुरुआत में जनवरी 2008 में 93.60 डॉलर प्रति बीबीएल से बढ़कर जुलाई 2008 में 134.3 डॉलर प्रति बीबीएल हो गई थीं, जिससे वैश्विक आर्थिक मंदी में तेजी आई, जिससे अंततः मांग कम हो गई, तब तेल की कीमतें बहुत कम हो गईं। मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पिछले 18 महीनों में दुनियाभर में लगभग 10 करोड़ लोग घोर गरीबी में फंस गए हैं। हाल के सप्ताहों में कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रही हैं, क्योंकि सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने कीमतें बढ़ाने के लिए आपूर्ति में कटौती की है। मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल या उससे थोड़ा कम देशों के लिए सुविधाजनक मूल्य सीमा होगी। उचित मूल्य बैंड के गठन पर स्वस्थ चर्चा करना तेल उत्पादक और उपभोक्ता सहित सभी देशों के हित में है। पुरी ने हाल ही में वार्षिक अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन (एडीआईपीईसी) 2023 के मौके पर ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस से मुलाकात की और उनसे तेल बाजारों में व्यावहारिकता, संतुलन और सामर्थ्य की भावना पैदा करने के लिए अपने कार्यालय का उपयोग करने का आग्रह किया। चर्चा के दौरान भारत के मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अगस्त 2022 के बाद से ओपेक े लस देशों द्वारा किए गए उत्पादन में कटौती के कारण, प्रभावी रूप से कुल वैश्विक तेल उपलब्धता का लगभग 5 प्रतिशत बाजार से हटा दिया गया है, जिससे कच्चे तेल की कीमत में पिछले 3 महीनों में 34 प्रतिशत वृद्धि हुई है। ऊर्जा की बढ़ती मांग के बावजूद ये कटौती की गई है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें जून में 72 डॉलर प्रति बैरल (बीबीएल) से बढ़कर सितंबर 2023 में 97 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, जिससे अधिकांश तेल आयात करने वाले उपभोक्ता देशों की क्षमताओं पर गंभीर दबाव पड़ा।

भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि सितंबर में 13 साल के उच्चतम स्तर पर : एसएंडपी सर्वे

नई दिल्ली।

भारत का सेवा क्षेत्र सितंबर में मजबूत गति से बढ़ा है। सकारात्मक मांग के माहौल में नए कारोबार और उत्पादन को बढ़ावा मिला है। ये बात गुरुवार को जारी एसएंडपी ग्लोबल सर्वे में कही गई है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में 60.1 से बढ़कर सितंबर में 61.0 हो गया, जो उत्पादन में तेज वृद्धि का संकेत देता है जो 13 साल में सबसे मजबूत है। काम का बोझ बढ़ने और क्षमताओं पर हल्के दबाव का सामना करने के साथ, नौकरियों की संख्या ऐतिहासिक रूप से उच्च दर से बढ़ती रही। सर्वे में कहा गया है कि सेवा कंपनियों ने उम्मीदें बरकरार रखी हैं, सेंटीमेंट्स नौ साल में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। सितंबर में उत्पादन में विस्तार आमतौर पर प्रभावी विपणन, अच्छी मांग की स्थिति और नए व्यवसाय की मजबूत आमद से जुड़ा था। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलीन्ना डी लीमा ने कहा, नवीनतम पीएमआई नतीजे भारत की सेवा अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक सकारात्मक खबरें लेकर आए हैं।

सितंबर में व्यावसायिक गतिविधि और नए काम की संख्या 13 वर्षों में सबसे ज्यादा बढ़ी है। घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती के अलावा, कंपनियों ने एशिया, यूरोप, अमेरिका और अन्य देशों में उच्च अंतरराष्ट्रीय बिक्री देखी है। नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि भारतीय सेवा प्रदाताओं के साथ नए कारोबार में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो जून 2010 के बाद से दूसरी सबसे तेज वृद्धि है।वास्तविक साक्ष्यों से संकेत मिलता है कि बाजार की गतिशीलता अनुकूल बनी हुई है, जिससे मांग को समर्थन मिल रहा है। बिक्री बढ़ाने में विज्ञापन को भी एक प्रमुख कारक बताया गया है।

वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे अधिक वित्तपोषित फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बना भारत

बेंगलुरु। भारत के फिनटेक क्षेत्र में पिछली तिमाही की तुलना में जुलाई-सितंबर अवधि (तीसरी तिमाही) के दौरान फंडिंग में 68 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। इससे देश वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे अधिक वित्तपोषित फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया। कुल मिलाकर, अमेरिका और चीन के बाद भारत लगभग एक लाख स्टार्टअप के साथ विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। तीसरी तिमाही में कोई नया यूनिकॉर्न नहीं बना, जबकि इसमें 7 अधिग्रहण और 2 आईपीओ देखे गए। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, फिनटेक क्षेत्र में फंडिंग में बेंगलुरु सबसे आगे है, उसके बाद मुंबई और नोएडा हैं। पीक एक्सवी पार्टनर्स, वाई कॉम्बिनेटर और एक्सेल फिनटेक क्षेत्र में अग्रणी निवेशक के रूप में उभरे। इस क्षेत्र में वैकल्पिक ऋण, बैंकिंग तकनीक और रेगटेक के साथ विशिष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो इस वर्ष की पहली छमाही में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के रूप में उभरे। वैकल्पिक ऋण में, विशेष रूप से, 2023 की दूसरी तिमाही की तुलना में 259 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो कि 305 मिलियन डॉलर की फंडिंग तक पहुंच गई। बीएनपीएल (अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें) क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिली है। देश के भीतर इसे अपनाया गया है, जिसने इस क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है।

मिंत्रा के माध्यम से क्लासिक हैंडबैग की रेंज वाले प्रीमियम अमेरिकी ब्रांड ऐनी क्लेन ने भारत में किया प्रवेश

नई दिल्ली।

मिंत्रा ने गुरुवार को अपने मजबूत अंतरराष्ट्रीय ब्रांड पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए अपैरल ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एक लोकप्रिय अमेरिकी प्रीमियम फैशन और एक्सेसरी ब्रांड ऐनी क्लेन को भारत के बाजार में शामिल करने की घोषणा की। मिंत्रा के बिग फैशन फेस्टिवल (बीएफएफ) से ठीक पहले इसकी लॉन्चिंग हुई। भारत का सबसे बड़ा उत्सव फैशन शॉपिंग बोनस 7 अक्टूबर को लाइव होने वाला है और ऐनी क्लेन की क्लासिक हैंडबैग रेंज के साथ भारतीय बाजार में मिंत्रा पर उसकी शुरुआत होगी। ऐनी क्लेन का लक्ष्य ग्राहकों को 'एक महिला की तरह सोचने' और फैशन की एक उन्नत भावना पैदा करने के लिए प्रेरित करते हुए हर फैशन-फॉरवर्ड महिला की अलमारी और जीवनशैली विकल्पों के लिए पसंदीदा ब्रांड बनना है। मिंत्रा की उपाध्यक्ष (बिजनेस) जयंती गांगुली ने कहा, हम ऐनी क्लेन को शामिल करके एक्सेसरीज़ और हैंडबैग के अपने अंतरराष्ट्रीय पोर्टफोलियो को मजबूत करके उत्साहित हैं।

कालातीत क्लासिक्स का पर्याय एक लिगेसी अमेरिकी ब्रांड होने के नाते ऐनी क्लेन के हैंडबैग का वर्गीकरण उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। बीएफएफ स्पेशल के एक हिस्से के रूप में, हैंडबैग की यह उत्कृष्ट रेंज इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों की संख्या को बढ़ाने के लिए तैयार है। लगातार एक कालातीत और परिष्कृत शैली को अपनाकर आधुनिक और सशक्त महिलाओं की जरूरतों को पूरा करते हुये सन् 1968 में स्थापित ऐनी क्लेन ने महिलाओं के फैशन की दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। ब्रांड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिधान, जूते, हैंडबैग और आभूषण सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। यह ब्रांड गुणवत्तापूर्ण शिल्प कौशल और विस्तार पर ध्यान देने की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है, जो इसे सुंदरता और आत्मविश्वास का प्रतीक बनाता है। ऐनी क्लेन ने न केवल फैशन को परिभाषित किया है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को ठाठ की सहज भावना प्रदर्शित करते हुए अपने व्यक्तित्व को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। बीएफएफ स्पेशल के एक भाग के रूप में, ऐनी क्लेन शुरुआत में टोट्स, स्लिंग्स और अन्य लोकप्रिय प्रकार के हैंडबैग जैसे उत्पादों से चुनने के लिए 100 से अधिक उबर-स्टाइलिश विकल्पों की पेशकश करेगी।

400 प्रतिशत जीएसटी बढ़ोतरी की आशंका के बीच भारतीय गेमिंग प्लेटफॉर्म विंजो ने ब्राजील में की इंट्री

नई दिल्ली। देश में गेमिंग कंपनियों पर जीएसटी में 400 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी की आशंका के बीच घरेलू स्थानीय भाषा के सोशल गेमिंग प्लेटफॉर्म विनजो ने गुरुवार को ब्राजील में अपना ऐप लॉन्च करने की घोषणा की।विंजा ब्राज़ील में 100 से अधिक साझेदार गेम डेवलपर्स के लिए वितरण और ब्रांडिंग में 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा। विंजो के सह-संस्थापक पावन नंदा ने कहा, हमने एक तकनीकी स्टैक बनाया है जो आज भारत के 15 करोड़ से अधिक युवा यूजर्स को सेवा प्रदान करता है और इसे दुनिया भर में बढ़ाया जा सकता है।कंपनी ने कहा कि ब्राजील के बाजार में प्रवेश करने का निर्णय भारत में जीएसटी में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी से सभी कंपनियों के लिए यहां उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और विविधता लाने के रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित है। इस कदम से प्लेटफ़ॉर्म के साझेदार गेम डेवलपर्स को कैरम, शतरंज, कार रेस आदि जैसे गेम निर्यात करने में मदद मिलेगी और नौ करोड़ से अधिक यूजरों के साथ चौथे सबसे बड़े मोबाइल गेमिंग बाज़ार ब्राज़ील तक मुफ्त पहुंच प्राप्त होगी।विंजो ने कहा, साझेदार गेम डेवलपर्स को प्रौद्योगिकी, विपणन और वितरण की किसी भी लागत के बिना नए बाजार और यूजरों तक पहुंच मिलेगी।ब्राज़ील में 2022 में लगभग 4.6 अरब मोबाइल गेम डाउनलोड के साथ मोबाइल गेमिंग की लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह विस्तार तब हुआ जब कंपनियां जीएसटी में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के तरीके तलाश रही हैं, जिससे अधिकांश सामग्री/आईपी रचनाकारों के शुरुआती चरण में अस्तित्व को खतरा है, जो भारत को वैश्विक स्तर पर गेमिंग क्षेत्र में नेतृत्व की स्थिति में लाने की क्षमता रखते हैं।

कंपनी को बैंक ऋण के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी पर लग सकता है 18 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद मूल कंपनियों द्वारा अपनी सहायक कंपनियों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी पर 18 प्रतिशत की कर लगाने की संभावना पर विचार कर सकती है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, यह मुद्दा हाल ही में आयोजित विभिन्न बैठकों के दौरान जीएसटी परिषद की कानून समिति द्वारा उठाया गया था। समिति का विचार है कि कॉर्पोरेट गारंटी एक तरह की आपूर्ति है जो 18 प्रतिशत जीएसटी ब्रैकेट में आती है। इसलिए यह कॉर्पोरेट गारंटी पर भी लागू होनी चाहिए।

कानून समिति ने कॉर्पोरेट गारंटी प्रदान करने के लिए आयकर अधिनियम के तहत सेफ हार्बर रूल के अनुरूप मूल्यांकन नियमों को अपनाने की सिफारिश की है। इन नियमों के तहत, पात्र अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में, न्यूनतम स्वीकार्य कमीशन/शुल्क गारंटी राशि का एक प्रतिशत है। इसलिए, यह प्रस्तावित किया गया कि जीएसटी के तहत संबंधित पार्टी लेनदेन के मामले में भी इसे अपनाने पर विचार करने की आवश्यकता है। अंतिम फैसला शनिवार को जीएसटी काउंसिल की बैठक में लिया जाएगा। कॉर्पोरेट गारंटी, समूह कंपनियों के बीच एक व्यवस्था है जिसके द्वारा एक मूल कंपनी किसी बैंक से ऋण सुविधाएं हासिल करते समय एक सहायक कंपनी के लिए गारंटर के रूप में कार्य करने के लिए सहमत होती है। ये व्यवस्थाएं या तो बिना किसी प्रतिफल के या ऋण राशि पर मामूली कमीशन के साथ निष्पादित की जाती हैं। जीएसटी परिषद इस मुद्दे पर भी विचार कर सकती है कि क्या निजी गारंटी या किसी कंपनी के लिए प्रमोटरों/निदेशकों दी गई गारंटी पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाना चाहिये।

क्रेड की कुल आय 3.5 गुना बढ़कर 1,484 करोड़, घाटे में 10 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली।

क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान में अग्रणी क्रेड ने गुरुवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए उसकी कुल आय वित्त वर्ष 2021-22 के 422 करोड़ रुपये की तुलना में 3.5 गुना (लगभग 252 प्रतिशत) बढ़कर 1,484 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने एक बयान में कहा, फिनटेक यूनिकॉर्न का घाटा (ईएसओपी लागत को छोड़कर) वित्त वर्ष 2011-22 में 1,167 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत कम होकर वित्त वर्ष 22-23 में 1,047 करोड़ रुपये हो गया। क्रेड के संस्थापक कुणाल शाह ने कहा, लॉन्च के पांच साल बाद हमारा मानना है कि क्रेड और विवेकपूर्ण वित्तीय व्यवहार शीर्ष एक प्रतिशत की आदत बन रही है। हमारा ध्यान साख वाले लोगों को अधिक उत्पादों से पुरस्कृत करने पर रहता है, जो उनके जीवन और जीवनशैली को बेहतर बनाते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2013 में टीपीवी (कुल भुगतान मूल्य) में 77 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2012 में 2.5 लाख करोड़ रुपये से 4.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, और मासिक लेनदेन करने वाले उपयोगकर्ताओं में 58 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा, आज, 90 प्रतिशत क्रेड सदस्य हर महीने कम से कम एक इनाम भुनाते हैं। एक औसत क्रेड मासिक लेन-देन उपयोगकर्ता अब एक महीने में 20 प्लस सत्र करता है, क्रेड अब भारत में चौथा सबसे बड़ा (मूल्य के हिसाब से) यूपीआई ऐप है। क्रेड ने कहा, 5 साल पहले जब हमने अपनी यात्रा शुरू की थी तब की तुलना में ग्राहक अधिग्रहण लागत 80 प्रतिशत कम हो गई थी।वित्त वर्ष 2013 में विपणन और व्यवसाय प्रचार खर्च 27 प्रतिशत कम होकर 713 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2012 में 975 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा, हमने वित्त वर्ष 22-23 में उच्च आवृत्ति पर क्रेड के साथ जुड़ने के लिए सदस्यों को अधिक टचप्वाइंट के साथ मंच को मजबूत किया। इसके परिणामस्वरूप काफी अधिक जुड़ाव हुआ, जिससे सदस्यों को आकर्षित करने और सेवा देने की लागत कम होने के साथ-साथ मॉनेटाइजेशन के अवसर पैदा हुए।

अगर भारत वनडे क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता है तो यह खेला जाता रहेगाः ओ'कीफे

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव ओ'कीफे का मानना है कि एक दिवसीय क्रिकेट का भविष्य तभी है जब भारत इस प्रारूप में खेलना जारी रखता है। उन्होंने कहा कि टी20 से मिलने वाले आकर्षक पैसे से 50 ओवर का क्रिकेट भविष्य में अप्रचलित हो जाएगा। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप गुरुवार को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 2019 के ऐतिहासिक फाइनल के रीमैच के साथ शुरू होगा, जिसमें प्रतियोगिता के उद्घाटन से पहले एक बड़े टूर्नामेंट की चर्चा गायब है।प्रतियोगिता से पहले, वनडे के भविष्य के बारे में पूछे गए सवालों के बीच, नवनियुक्त एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने हाल ही में कहा कि 50 ओवर के मैच केवल विश्व कप में खेले जाने चाहिए, और उन्होंने द्विपक्षीय और त्रिकोणीय श्रृंखला को खत्म करने की मांग की थी।मैं (निकोलस की) भावना को समझता हूं। अंततः, यह भारत (और उनके क्रिकेट बोर्ड) पर निर्भर करेगा क्योंकि (टी20 क्रिकेट) ही वह जगह है जहां सारा पैसा बनता है। अगर (भारत) वनडे क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता है, तो यह खेला जाता रहेगा।ओ'कीफे ने एसईएन 1170 पर कहा, अब कैलेंडर पर बहुत अधिक क्रिकेट है और देश अपने स्वयं के टी20 टूर्नामेंट बना रहे हैं।

हॉकी में चीन से हारी भारतीय महिला टीम, कांस्य पदक के लिए खेलेगी

हांगझोऊ।

भारतीय महिला हॉकी टीम को गुरुवार को एशियाई खेलों के पहले सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद अब वह कांस्य पदक के लिए खेलेगी। कई मौके बनाने के बावजूद भारत ने यह मैच गंवा दिया। चीन के लिए जियाकी झोंग (25), मीरोंग ज़ो (40), मीयू लियांग (55) और बिंगफेंग जीयू (60) ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही चीन ने आक्रामक रुख अपनाया। इस शुरुआती आक्रामक कदम से चीन को जल्द मैचका पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत की कप्तान और गोलकीपर सविता ने महत्वपूर्ण बचाव करते हुए चीन को बढ़त लेने से रोक दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने चीन पर दबाव बनाकर और तेजी से पास देकर खेल पर पकड़ बनाने का प्रयास किया लेकिन चीन ने भारत पर दबाव बनाए रखते हुए अपनी अटैक जारी रखा। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी उसी नोट पर हुई, जिसमें चीन ने जोरदार हमला किया। टीम को एक बार फिर शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर सविता ने अच्छा बचाव किया और चीन को रोका।हालांकि, चीन आखिरकार पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाकर गोल करने में कामयाब रहा और जियाकी झोंग (25) ने टीम का पहला गोल दागा। स्कोरलाइन अपने पक्ष में होने के बावजूद चीन ने भारत पर दबदबा बनाए रखा और हाफ टाइम में 1-0 की बढ़त के साथ प्रवेश किया। बराबरी हासिल करने के लिए बेताब, भारत ने तीसरे क्वार्टर में हमले तेज किये लेकिन चीन ने नियमित अंतराल पर भारत की रक्षा का परीक्षण करके खेल पर हावी रहना जारी रखा और इसका फायदा तब मिला जब मीरोंग ज़ो (40) ने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से गोल करके अपनी टीम की बढ़त बढ़ा दी। उनके खिलाफ स्कोरलाइन के साथ, भारत ने अपनी आक्रमण आवृत्ति बढ़ा दी और लगातार पेनल्टी कॉर्नर भी जीते लेकिन उनका फायदा नहीं उठा पाए। तीसरा क्वार्टर चीन की 2-0 की बढ़त के साथ समाप्त हुआ। मैच में वापसी करने की कोशिश में भारत ने मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर में लगातार आक्रमण किया। मगर, टीम को इसका फायदा नहीं मिला। एक बार फिर चीन के लिए मियू लियांग (55) ने गोल किया। इसके बाद चीन ने अंतिम मिनटों में एक और गोल किया। बिंगफेंग जीयू (60) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम की 4-0 से जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ चीन ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली, जबकि भारतीय टीम अपना अगला कांस्य पदक मैच शनिवार, 7 अक्टूबर 2023 को कोरिया या जापान के खिलाफ खेलेगी।

घोषाल एक और एकल फाइनल हारकर निराश, स्वर्ण पदक से चूके

हांगझोउ।

संभवतः अपने आखिरी एशियाई खेलों की तरह, भारत के सौरव घोषाल अपने अवसरों को भुनाने में असफल रहे और गुरुवार को हांगझोउ में स्वर्ण पदक मैच में मलेशिया के एनजी इयान यू से 3-1 से हार गए। हांगझोउ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्क्वैश कोर्ट 1 में खेले गए फाइनल में, राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता घोषाल ने पहला गेम 11-9 से जीता, लेकिन फिर अगले तीन गेम में 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए औरएक बार फिर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। घोषाल, 37 साल की उम्र में हर गुजरते दिन के साथ युवा नहीं हो रहे थे, उन्होंने एकल स्वर्ण पदक जीतने का अपना सर्वश्रेष्ठ मौका गंवा दिया था। वह 2014 फाइनल में अब्दुल्ला अल-मुजायेन से 12-10, 11-2, 12-14, 8-11, 9-11 से हार गए थे। एशियाई खेलों का एकल स्वर्ण वह पदक है जिसे घोषाल सबसे अधिक चाहते थे। गुरुवार को उसके पास मौके थे लेकिन वह एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी से हार गए जो अधिक ऊर्जावान, अत्यधिक कुशल और बेहतर लय में दिख रहा था। घोषाल ने मैच के बाद कहा, मैं वास्तव में बहुत निराश हूं। पहला गेम जीता लेकिन दूसरा मेरे अनुकूल नहीं रहा। अजीब चीजें हुईं। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उसने बेहतर खेलना शुरू कर दिया और खुद को थोपा और मैं जवाब नहीं दे सका। मुझे यकीन नहीं है कि मैं अगले एशियाई खेलों में वहां पहुंच पाऊंगा या नहीं। कुछ 50-50 निर्णय ऐसे थे जो उनके अनुरूप नहीं रहे।भारत के अब तक के सबसे सफल कोलकाता के 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, बहुत सारे किंतु-परंतु हैं लेकिन मैं अभी चीजों का विश्लेषण नहीं करने जा रहा हूं। यह मैं बाद में करूंगा जब भावनाएं शांत हो जाएंगी और चीजें स्पष्ट हो जाएंगी।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ने भी जीता स्वर्ण

हांगझोउ । महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ने भी गुरुवार को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता। ओजस देवतले, अभिषेक वर्मा और जावकर प्रथमेश की जोड़ी ने पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी में दक्षिण कोरिया जोड़ी को 235-230 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम ने पहले सेट से ही अपना प्रभाव जमा लिया। पहले सेट में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और पहला सेट 55-58 से जीत लिया। वहीं लेकिन बाद में दूसरे सेट में कोरिया ने मैच में वापसी की और 59-58 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में एक बार फिर भारतीय तिकड़ी ने सेट पर कब्ज़ा जमाया और 57-59 से सेट जीत लिया। अंतिम और आखिरी सेट में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और पूरे 10 अंक हासिल किए। वहीं इससे भारत की महिला टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता था। इस प्रकार एक ही दिन में भारत को दो पदक मिल गये। एशियाई खेलों में अब भारत के कुल 84 पदक हो गये हैं। जिसमें 21 स्वर्ण , 31 रजत और 32 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं भारतीय टीम अब तालिका में चौथे स्थान पर है।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण जीता

हांगझोउ ।

भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने चीन में जारी एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता हैं। इसी के साथ भारत ने इन खेलों में 19 वां स्वर्ण जीता। भारत ने अब तक इन खेलों में कुल 82 पदक जीते हैं। जिसमें 19 स्वर्ण के अलावा 31 रजत और 32 कांस्य पदक शामिल हैं।

गुरुवार को तीरंदाजी स्पर्धा में भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने फाइनल में ताइवान को 230-228 से हराकर स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। इससे पहले सेमीफाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया को

233-219 से जबकि क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 231-220 से हराया था। पहले दौर के बाद भारतीय तिकड़ी 56-54 से पीछे थी पर दूसरे दौर के बाद ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर ने शानदार वापसी की। इसके बाद स्कोर 112-111 पहुंच गया। वहीं तीसरे दौर में ताइवान के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे स्कोर 171-171 से बराबरी पर पहुंच गया। इसके अलावा चौथे दौर में भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। अंतिम 3 शॉट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 30 का स्कोर किया.

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेल : दीपिका और हरिंदर ने स्क्वाश में स्वर्ण जीता

हांगझोउ । भारत की दीपिका पल्लीकल और उनके जोड़ीदार हरिंदर पाल सिंह संधु ने एशियाई खेलों में स्क्वाश की मिश्रित युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका और हरिंदर की जोड़ी ने गुरुवार को यहां फाइनल मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में हराया। दीपिका और हरिंदर ने फाइनल में मलेशिया की आइफा बिंटी अजमन और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमल को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 11-10 11-10 से हराया। दूसरे गेम में एक समय भारतीय जोड़ी आसानी से जीत की ओर से बढ़ रही थी पर अंतिम समय में उसकी लय खराब हुई जिससे मलेशियाई जोड़ी मुकाबले में करीब तक पहुंच गयी। मलेशियाई जोड़ी ने 3-9 के स्कोर पर लगातार सात अंक हासिल कर 10-9 की बढ़त बनाई पर दीपिका और हरिंदर ने संयम बनाये रखते हुए लगातार दो अंक हासिल करने के साथ ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस प्रकार दीपिका ने यहां अपने अभियान का समापन दो पदक के साथ किया। इससे पहले वह कांस्य पदक विजेता महिला टीम में भी शामिल थीं। दीपिका के नाम चार एशियाई खेलों में कुल छह पदक हैं।

सिंधु एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हुई

हांगझोऊ । चीन में जारी एशियाई खेलों में गुरुवार को भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सिंधु को महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में मेजबान चीन की ही शीर्ष खिलाड़ी बिंग जियाओ ने तीधे गेम में हराया। सिंधु को जियाओ ने 47 मिनट में ही 16-21, 12-21 से हरा दिया। दोनों ही खिलाड़ियों ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की पर जियाओ ने इसके बाद 9-5 की बढ़त बना ली। सिंधु को काफी संघर्ष करना पड़ा। जियाओ ने सटीक शॉट के साथ अंक हासिल किये। चीन की खिलाड़ी ने पहला गेम 23 मिनट में जीता। वहीं दूसरे गेम में भी सिंधु को कठिनाई हुई। बिंगजियाओ ने 5-1 की बढ़त बनाई। इसके बाद चीनी खिलाड़ी ने अपने जोरदार स्मैश से कई अंक हासिल किये। सिंधु ने इसके बाद वापसी करते हुए स्कोर 8-9 किया पर जियाओ ने लगातार तीन अंक के साथ 12-8 की बढ़त हासिल कर मुकाबले पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ ही इन दोनो खिलाड़ियों के बीच हार जीत का रिकार्ड 11-7 हो गया है। अब तक हुए मुकाबलों में जियाओ 11 जबकि सिंधु 7 बार जीती हैं।

तारा शाह, आयुष शेट्टी ने बढ़ाया जीत का सिलसिला, उन्नति चैंपियनशिप से बाहर

स्पोकेन (अमेरिका)ः

तारा शाह और आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन विश्व जूनियर चैंपियनशिप के राउंड ऑफ-16 में आगे बढ़ते हुए अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि उन्नति हुडा राउंड ऑफ-32 में हारकर बाहर हो गईं। लड़कियों के एकल मैच में टूर्नामेंट की तीसरी वरीयता प्राप्त तारा ने कनाडा की एलेना यू के खिलाफ 30 मिनट तक चले करीबी मुकाबले में 23-21, 21-16 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। लड़कों के एकल वर्ग में आयुष को इंडोनेशिया के मुहम्मद रजा अल फजरी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि, पहला गेम हारने के बाद मुहम्मद ने जोरदार वापसी की, लेकिन आयुष ने धैर्य दिखाया और अंततः 21-14, 13-21, 21-19 से मुकाबला जीत लिया। मिश्रित युगल में सात्विक रेड्डी कनापुरम और वैष्णवी खडकेकर की जोड़ी का सामना सिंगापुर के नगे जू जिन और जिओ एन हेंग से हुआ। शुरुआती झटके के बावजूद, उन्होंने शानदार वापसी की और अंतिम गेम में 19-21, 21-10, 21-7 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। दूसरे मिश्रित युगल मुकाबले में समरवीर और राधिका शर्मा ने एक और करीबी मुकाबले में मलेशिया के ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और चान वेन त्से को सीधे गेमों में 21-19, 21-18 से हराया। अन्य लड़कियों के एकल वर्ग में उन्नति हुडा को टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की टोमोका मियाज़ाकी ने 21-13, 21-13 से हराया। लड़कों के एकल में तुषार सुवीर को चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के अलवी फरहान से 16-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। लड़कियों के युगल वर्ग में वेन्नला कलागोटला, श्रियांशी वालिशेट्टी, तन्वी शर्मा और राधिका शर्मा की दोनों युगल जोड़ी क्रमशः टूर्नामेंट की पांचवीं वरीयता प्राप्त और तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से हार गईं। इस बीच, लड़कों के

युगल कोर्ट पर निकोलस राज और तुषार सुवीर ने स्पेन के डैनियल फ्रेंको और रोड्रिगो संजुर्जो को केवल 24 मिनट में 21-10, 21-16 के स्कोर के साथ सीधे गेम में हराया, जबकि दिव्यम अरोड़ा और मयंक राणा ने एस्टोनिया के आंद्रेई श्मिट और ह्यूगो थीमास को 21-19, 21-15 से हराया और अगले दौर में प्रवेश किया।

अंतिम पंघल ने कुश्ती में जीता ब्रॉन्ज

हांगझोऊ। दो बार की मौजूदा अंडर-20 चैंपियन अंतिम पंघल ने गुरुवार को टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता मंगोलिया की बैट-ओचिर बोलोरतुया को हराकर 19वें एशियाई खेलों में महिलाओं की 53 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मौजूदा एशियाई चैंपियन अंतिम, जो अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान की अकारी फुजिनामी से हार गई थी, वो रेपचेज के माध्यम से कांस्य पदक मुकाबले में आगे बढ़ी। इस बीच पूजा गहलोत महिलाओं के फ्रीस्टाइल 50 किग्रा सेमीफाइनल कांस्य पदक मैच में उज्बेकिस्तान की अकतेंगे क्यूनिमजेवा से 2-9 से हारकर पदक से चूक गईं। पूजा इससे पहले सेमीफाइनल में दो बार की एशियाई चैंपियन जापान की रेमिना योशिमोटो से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गईं थीं। वहीं, ग्रीको-रोमन पहलवान नवीन को 130 किग्रा कांस्य पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया के मिनसोक किम के हाथों 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कुश्तीः पूजा गहलोत और अंतिम पंघाल के पास ब्रॉन्ज जीतने का मौका

हांगझोऊः भारतीय पहलवान पूजा गहलोत गुरुवार को एशियन गेम्स में महिलाओं की फ्रीस्टाइल 50 किग्रा सेमीफाइनल में दो बार की एशियाई चैंपियन जापान की रेमिना योशिमोतो से हार गईं और अब कांस्य पदक के लिए खेलेंगी। जापानियों ने भारतीय पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की। पूजा कांस्य पदक मुकाबले में अक्तेंगे क्यूनिमजेवा के साथ लड़ेंगी।दो बार के मौजूदा अंडर-20 चैंपियन अंतिम पंघाल भी टोक्यो 2020 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बोलोरतुया बैट-ओचिरिन के खिलाफ महिलाओं के 53 किग्रा कांस्य पदक मुकाबले में हिस्सा लेंगी।वह रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक (53 किग्रा) की दौड़ में शामिल हो गई हैं। उनको सिर्फ 1 मुकाबला जीतने की जरूरत है।

प्रणय एशियाई खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे

हांगझोउ ।

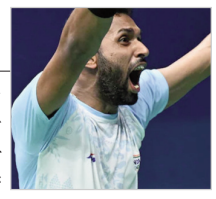

भारत के एचएस प्रणय ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। प्रणय ने पुरुष एकल में मलेशिया के ली झी जिया को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया। इस प्रकार उनको अब एक पदक मिलना तय हो गया है। कमर की चोट के बाद भी कोर्ट में उतरे विश्वक के सातवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 16वें नंबर के खिलाड़ी ली झी को 78 मिनट चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-16 21-23 22-20 से हराया। प्रणय ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि मुकाबला काफी कड़ा था। ली हमेशा एक कड़ा प्रतिद्वंद्वी रहा है। प्रणय का पदक नई दिल्ली 1982 खेलों में सैयद मोदी के कांस्य के बाद एशियाई खेलों की पुरुष एकल स्पर्धा में भारत का पहला पदक होगा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय चीन के खिलाफ टीम चैंपियनशिप फाइनल में पीठ की चोट के कारण नहीं उतरे थे। इस मुकाबले में 2-3 की हार के साथ भारत को रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। प्रणय ने कहा, 'इसका मुझ पर असर हो रहा था। लेकिन खेल ऐसा ही है। आप रोजाना अपना शत प्रतिशत नहीं दे सकते पर आपको 60 या 70 प्रतिशत देने की स्थिति में भी मैच जीतना सीखना होगा। मुझे लगता है कि आज ऐसा दिन था जब मुझे ऐसा करना पड़ा। प्रणय ने निर्णायक गेम में दो मैच अंक बचाए और लगातार चार अंक के साथ गेम और मैच जीत लिया। प्रणय ने पहले गेम में 5-11 से पिछड़ने के बावजूद प्रणय ने वापसी करते हुए पहला गेम जीता। प्रणय को दूसरे गेम में दो मैच अंक मिले लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा पाए और मलेशिया के खिलाड़ी ने गेम जीत लिया जिससे ये तीसरे और निर्णायक गेम में पहुंच गया। तीसरे गेम में प्रणय शुरु में 2-4 से पिछड़ गए। उनकी फिनिशिंग अच्छी नहीं रही जिसका ली ने फायदा उठाया। ली ने 7-4 की बढ़त बनाई। ली ने इसके बाद कुछ गलतियां की जिसका फायदा उठाकर प्रणय ने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाई। प्रणय ने लंबी रैली के बाद शानदार नेट शॉट से बढ़त 13-10 की जिसे उन्होंने 15-13 तक पहुंचाया। ली ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 किया। इसके बाद प्रणय ने दो क्रॉस शॉट के साथ स्कोर 20-20 किया। उन्होंने इसके बाद एक मैच प्वाइंट हासिल कर गेम और मैच जीत लिया। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंगजियाओ के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ ही एशियाई खेलों से बाहर हो गईं।

बहरीन ने तीसरी बार महिला मैराथन जीती; चीन ने पहला पुरुष स्वर्ण जीता

हांगझोउ, हे जी एशियाई खेलों के पुरुष मैराथन में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले चीनी एथलीट बन गए, जबकि बहरीन की यूनिस चेबिची पॉल चुंबा ने गुरुवार को स्वर्ण पदक जीतकर अपनी स्थिति बरकरार रखी। कियानतांग रिवर ग्रीन बेल्ट कोर्स में चल रहे आयोजनों में, रोज़ चेलिमो (जकार्ता-पालेमबांग 2018) और यूनिस जेपकिरुई किरवा (गुआंगज़ौ 2014) की सफलताओं के बाद, चुम्बा बहरीन की लगातार तीसरी महिला मैराथन विजेता बन गई। चुम्बा ने कहा, ÷यह पहली बार है जब मैंने एशियाई खेलों या किसी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। सभी लोग मेरे लिए चिल्ला रहे थे, जिसने मुझे जीतने के लिए प्रेरित किया, मुझे फिनिश लाइन तक पहुंचाया।÷ ÷मेरे प्रतिस्पर्धी वास्तव में मजबूत हैं, और हम सभी एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। चुम्बा 2 घंटे 26 मिनट 14 सेकेंड में 1ः41ः00 मिनट में चीन के झांग देशुन से आगे दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की सरदाना ट्रोफिनोवा ने कांस्य पदक जीता। झांग, जो जकार्ता-पालेमबांग 2018 महिलाओं की 10000 मीटर में तीसरे स्थान पर थी, को अपने नए अनुशासन में अपनी उपलब्धि पर गर्व था। झांग ने कहा, मैराथन दौड़ में बदलाव के बाद यह पदक मेरे लिए एक पुष्टि है।2018 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद से, मेरा लक्ष्य इस साल शीर्ष तीन में आना या शायद एक अलग रंग का पदक जीतना है।हालांकि, पुरुषों की स्पर्धा में चीन को स्वर्ण से वंचित नहीं किया जा सका। हे जी ने सबसे पहले 2ः13ः02 में लाइन पार की, हान इलरयोंग (पीआरके) से केवल 25 सेकंड आगे। उन्होंने कहा, मैराथन स्वर्ण पदक जीतना मेरे लिए बहुत खास और महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि मैंने बहुत ही साधारण शुरुआत की थी। मैंने एक प्रशिक्षण भागीदार के रूप में शुरुआत की और चीन में मैराथन दौड़ की बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ती भागीदारी के कारण, संयोग से मैं राष्ट्रीय टीम में शामिल हो गया, और मैंने कठिन प्रशिक्षण शुरू कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुहांसे हो सकते है
तनाव का कारण

चेहरा इंसान की पहचान होता है और सुंदर त्वचा चेहरे के सौंदर्य को कई गुना बढ़ा देती है। चमकीली और मुलायम त्वचा तो हर कोई चाहता है, लेकिन अक्सर उम्र बढऩे के साथ या खराब जीवनशैली के कारण यह अपना आकर्षण खो देती है। त्वचा की कई समस्याएं हैं, लेकिन मुहांसे सबसे ज्यादा लोगों को परेशान करते हैं। त्वचा को प्रभावित करने में मौसम के अलावा तनाव भी मुख्य भूमिका निभाता है। शोध में पाया गया कि आहार और साफ-सफाई के अलावा तनाव भी त्वचा को प्रभावित करता है। कई लोग जो तनावग्रस्त होते हैं उनके मुहांसे और गम्भीर हो जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन किशोरों में परीक्षा का तनाव होता है, उनमें मुहांसे उभरने या उभरे हुए मुहांसे और गम्भीर होने की सम्भावना अधिक होती है। नई दिल्ली स्थित तुलसी हेल्थ केयर के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता का कहना है कि परीक्षा के वक्त किशोरों को चेहरे पर मुहांसे भी उभरने के साथ पक भी जाते है। तनाव से खाज और अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। देखा जाए तो त्वचा हमारे मन की स्थिति का आईना होता है। किशोरावस्था में मुंहासे होने का कारण शरीर में होने वाले हार्मोंस से संबंधित बदलाव होते हैं। इसके अलावा इस उम्र में बच्चे तनाव का शिकार भी जल्दी होते हैं। पीयर प्रेशर और हमेशा सुंदर दिखने का दबाव उन पर रहता है।

यही वजह है कि टीनएजर मुंहासे होने पर गहरे तनाव में घिर जाते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर इससे होने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावों को समझें और जानें। जो माता-पिता बच्चों की इस समस्या को उचित मार्गदर्शन से सही कर सकते हैं उनके बच्चे इस समस्या से उबर सकते हैं। मुंहासे जवानी में भी हो सकते हैं। लगभग 50 प्रतिशत जवान महिलाएं और 25 प्रतिशत पुरुषों को जवानी में यह समस्या निरंतर जकड़े रहती है। कई महिलाएं तो इनके कारण डिप्रेशन के शिकार हो जाती हैं। इन मुंहासे के होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे वातावरण का प्रभाव, शारीरिक और हारमोन्स से संबंधित होने वाले बदलाव वगैरह। जिस समय व्यक्ति तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल हार्मोंस का स्राव बढ़ जाता है जिसके कारण शरीर में त्वचा की ग्रंथियों से सीवम नामक हारमोन का स्राव ज्यादा होने लगता है जिसके कारण मुंहासे होते हैं। इसके अलावा यह ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स होने का भी कारण हो सकता है। अत- तनाव को बेहतर तरीके से हैंडल करना चाहिए। तनाव का प्रभाव शरीर पर न पड़े इसके लिए खुश रहें और पूरा आराम करें। पर्याप्त आराम, एक्सरसाइज और सकारात्मक नजरिए से तनाव पैदा होने वाली तमाम स्थितियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

मुंहासों की समस्या यदि ज्यादा गंभीर होने लगे तो इसके लिए डॉक्टर से परामर्श करें। अपने भोजन और लाइफ स्टाइल में बदलाव करें। रिफाइंड काब्रोहाइड्रेट युक्त आहार व कैफीन मात्रा में लें। लो-फैट डाइट लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। हालांकि मुंहासे की समस्या को देखने का हर व्यक्ति का अपना नजरिया होता है। कुछ लोगों को यह एक बड़ी गंभीर समस्या लगती है उन्हें लगता है कि इससे उनका चेहरा भद्दा लगता है। इन्हें देखकर उन्हें गुस्सा आता है और वे तनावग्रस्त हो जाते है। स्त्री, पुरुष, किसी भी आयु वर्ग के, किसी भी देश के व्यक्ति मुंहासों की जद में आ सकते है।

दिन में कम से कम चेहरे को तीन बार सादे पानी से धोएं, लेकिन ध्यान रहे साबुन या फेसवॉश का इस्तेमाल दिन में एक बार ही करें, क्योंकि इनके ज्यादा प्रयोग से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और वह रूखी हो जाती है।

खास टिप्स

पिंपल्स जितने अधिक समय तक रहेंगे, दाग उतने ही गहरे होंगे, इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों में मुहांसों की समस्या होती है, उनके शरीर में इंसुलिन का स्राव औसत से अधिक होता है। इससे बचने के लिए अपने भोजन में कार्बोहाइड्रेट और डेयरी उत्पादों का सेवन कम करें।

कुछ अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि अधिक मात्रा में दूध और दुग्ध उत्पादों का सेवन करने से भी मुहांसों की समस्या हो जाती है।

चेहरे को जोर-जोर से न रगड़ें। मुहांसों को दबाएं या फोड़े नहीं। ज्यादा तैलीय, मसालेदार भोजन न खाएं।

चेहरे की त्वचा को साफ रखें। चेहरे पर ऑयल फ्री प्रोडक्ट लगाएं।

तनाव न लें, क्योंकि इससे हार्मोन्स का संतुलन गड़बड़ा जाता है, जो मुहांसों का कारण बन जाता है।

ब्लीच, फेशियल या स्टीम न लें। मेकअप का प्रयोग भी न करें, इससे मुहांसे जल्दी ठीक हो जाएंगे।

धूप में हमेशा सनस्क्रीन लगाएं, यह न सिर्फ त्वचा की रक्षा करता है, बल्कि स्किन कैंसर के खतरे को भी कम करता है। इससे पिग्मेंटेशन भी कम होता है और झुर्रियां भी जल्दी नहीं पड़तीं।

धूम्रपान करने से त्वचा के इलास्टिन और कोलेजन नष्ट हो जाते हैं, जिससे इसका मुलायमपन खत्म हो जाता है।

तनाव न लें, क्योंकि तनाव से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और यह अति संवेदनशील हो जाती है। रोजाना चार-पांच लीटर पानी पिएं।

दिन में दो बार किसी अच्छे फेसवॉश या माइल्ड साबुन से चेहरा धोएं। रात को नाइट क्रीम लगाएं। यह त्वचा को पोषण प्रदान करती है।

व्यायाम और योग करें, इससे रक्त का संचरण बढ़ता है, तनाव कम होता है, जिससे त्वचा की कई समस्याएं दूर हो जाती हैं।

त्वचा की रंगत और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों, मौसमी फलों, मेवों और दही को शामिल करें और जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक से बचें।

ग्रीन टी का सेवन करें, क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं, जो सुंदर त्वचा के लिए वरदान होते हैं।

त्वचा को पानी की आवश्यकता होती है। ढ़ेर सारा पानी पिएं, इससे त्वचा साफ, मुलायम और बेदाग बनेगी।

अंदर से तरोताजा रहने के लिए खूब सारा पानी पीएं। इससे शरीर से गंदगी बाहर निकलती है और बॉडी में नए सेल्स बनते हैं। शरीर की तरह स्किन को चकमदार और स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी की बेहद जरूरत है। रात को सोने से पहले कम से कम 1-2 गिलास पानी पिएं। ये आपकी स्किन में मौजूद नुकसानदेह टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है। जितना हो सकें लिच्डि लें। पानी की जगह हर दिन दो गिलास जूस अवश्य लेना चाहिये। इससे स्किन में पोषण पहुंचेगा और स्किन ग्लो करेगी।

कानों को साफ करना हो सकता है
खतरनाक

कुछ लोगों को लगातार कॉटन स्वैब से कान साफ करने की आदत होती है। वे लगातार कान की वैक्स और गंदगी साफ करते रहते हैं। हालांकि इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल कान के पर्दे को

नुकसान पहुंचता है, बल्कि कई अन्य संभावित नुकसानों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अपने कान साफ करने के लिए लोग कई अनदेखी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। यह बात समझनी बहुत जरूरी है कि कान के भीतर वैक्स और गंदगी को साफ करने के लिए कुछ भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा खतरनाक है और इससे आपके सुनने की क्षमता भी खत्म हो सकती है।

क्या है कॉटन स्वैब

ईयर कैनाल में मौजूद कोशिकाएं कैरुमन का निर्माण करती हैं, जिसे सामान्य भाषा में ईयर वैक्स कहा जाता है। किसी डाक्टर की मदद लेने की बजाय कुछ लोग कॉटन स्वैब से यह वैक्स हटाने का आसान रास्ता अपनाते हैं। लोगों को लगता है कि डाक्टर के पास जाकर समय और पैसे बर्बाद करने से अच्छा है कि इस वैक्स को खुद ही निकाल लिया जाए। लेकिन इससे उन्हें फायदा कम नुकसान ज्यादा होता है।

पर्दे को नुकसान

रुई का फोहा आसानी से कान के पर्दे तक पहुंच जाता है। कान का पर्दा बहुत संवेदनशील होता है और स्वैब के मामूली दबाव से भी वह क्षतिग्रस्त हो सकता है।

तो क्या करें

तो ऐसे में सवाल उठता है कि हमें वाकई अपने कान साफ करने की जरूरत होती है। कान का बाहरी हिस्सा जो नजर आता है उसे कभी कभार साफ किया जाना चाहिए। इस काम को आप थोड़े से साबुन, पानी और तौलिए से भी कर सकते हैं।

सुनने की क्षमता जा सकती है

ज्यादातर मामलों में इयर कैनाल को साफ करने की जरूरत नहीं होती। नहाते या शॉवर के समय हमारे कान में इतना पानी चला जाता है कि जमी हुई वैक्स अपने आप ही ढीली हो जाती है।

डॉक्टरी मदद की दरकार

ऐसे लोग जिनके कान में बहुत ज्यादा वैक्स होती है, उन्हें डाक्टरी सहायता की जरूरत होती है। डाक्टर पानी में थोड़ा सा पेरोक्साइड मिलाकर उसे कान में इंजेक्ट कर आसानी से वैक्स को बाहर निकाल सकते हैं। इस प्रक्रिया में दर्द बिलकुल नहीं होता। कान में जमी वैक्स निकालने के लिए यह तरीका बेहद प्रभावशाली है। अगर यह समस्या काफी ज्यादा रहती है तो मरीज डाक्टर से यह प्रक्रिया समझ कर इसे घर पर ही कर सकता है। अगर आपके कान में वैक्स या गंदगी जमा हो रही है तो आप डाक्टर की सहायता ले सकते हैं। आप उनसे सही कान साफ करने का तरीका पूछ सकते हैं।

मामूली उपायों से बच सकती है 50 प्रतिशत
दिल के मरीजों की जान

सही समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण देश में दिल का दौरा पडने के बाद 50 प्रतिशत मरीजों की जान चली जाती है जबकि प्राथमिक उपचार की मामूली तकनीक से उनकी जान बचाई जा सकती है।

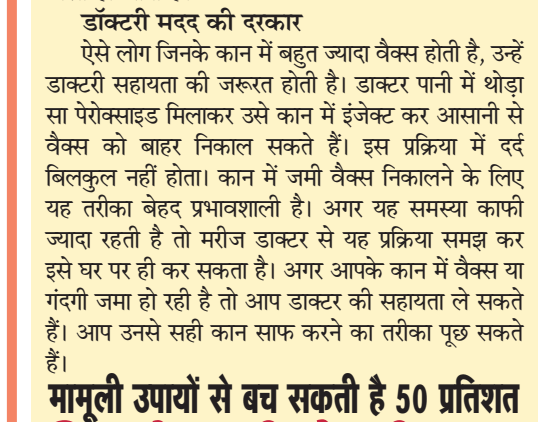

दिल की बीमारियों के कारण देश में हर वर्ष 34 लाख लोगों की मौत हो जाती है और एक लाख बीस हजार बच्चे जन्मजात दिल की बीमारियों के से ग्रसित होते हैं। अकेले जम्मू में 30 से अधिक उम्र के 10 प्रतिशत से 14 प्रतिशत लोग दिल की बीमारियों से पीड़ित हैं। विशेषज्ञों का कहना था कि इनमें से बहुत से मरीजों की समस्याओं का इलाज संभव होता है और उन्हें मौत के मुंह में जाने से रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस तकनीक का प्रशिक्षण हर व्यक्ति को मिले, यह मौजूदा समय की मांग है। उन्होंने बताया कि सीपीआर तकनीक सिर्फ 5 मिनट में सीखी जा सकती है जिसकी मदद से हृदयाघात से पीड़ित व्यक्ति को दस मिनट के भीतर बचाया जा सकता है।

कहीं मुश्किल में न डाल दें ये
सेहतमंद आदतें

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं. सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

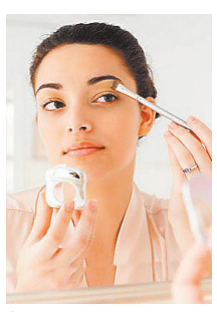

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 55 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं खान-पान का रखें
विशेष ध्यान

महिलाओं को गर्भधारण के बाद अपने खाने-पीने की चीजों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस समय उन्हें सामान्य से ज्यादा ऊर्जा और कैलोरी की आवश्यकता होती है। जच्चा और बच्चा दोनों को सही मात्रा में कैलोरी मिले इसके लिए जरूरी है कि गर्भवती महिलाएं अपने खाने पर विशेष ध्यान दें। प्रेग्नेंसी में फल और जूस बहुत फायदेमंद होते हैं। फलों से जहां प्रोटीन, कैल्शियम और सिलिकॉन मिलता है, वहीं जूस पीने से शरीर में ताजगी बनी रहती है। लेकिन जूस पीते वक्त ये ध्यान रखें कि जूस ताजे फलों का बना हो। डिब्बा बंद जूस पीने से बचें। प्रेग्नेंट महिला को ब्रेकफास्ट में दूध और डेयरी प्रोडेक्ट का इस्तेमाल भी करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाएं अपने नाश्ते में अंडा या ऑमलेट भी ले सकती हैं। पालक के साथ ऑमलेट लेने से भी फायदा होता है। इससे 41 कैलोरी के साथ आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम भी मिलता है। साबुत अनाज जैसे दलिया, कॉर्न, दालें, ब्राउन राइस भी प्रेग्नेंसी में काफी लाभप्रद रहते हैं। इसमें विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम और फाइबर होता है, जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए जरूरी है। प्रेग्नेंसी के दौरान पानी खूब पीना चाहिए। फिल्टर्ड पानी का ही उपयोग करें। फिल्टर्ड पानी ना हो तो इसे उबाल लें। उबालने से पानी साफ हो जाता है। जब घर से बाहर हो तब अच्छे ब्रांड की बोतल का ही पानी पिएं।

एक्स कॉर्प ने लेखों के साथ शीर्षक दिखाना किया बंद

सैन फ्रांसिस्को । अब एलोन मस्क की एक्स कॉर्प ने मंच पर साझा किए गए समाचार लेखों की सुर्खियां दिखाना बंद कर दिया है। केवल मुख्य छवि और वेब डोमेन नाम की अनुमति दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बदलाव को आईओएस उपयोगकर्ताओं द्वारा देखा गया है, जिन्होंने जब एक लिंक पोस्ट करने का प्रयास किया, तो उन्हें केवल एक छवि और डोमेन नाम दिखाई दिया। हालांकि, इस बदलाव से एक्स उपयोगकर्ता नाराज़ हो गए, क्योंकि वे शीर्षक के बिना यह पता नहीं लगा सकते कि छवि और डोमेन नाम क्या है। मस्क हाल ही में उपयोगकर्ताओं को सीधे एक्स पर अधिक सामग्री पोस्ट करने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। अगस्त में, उन्होंने पत्रकारों को सीधे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रकाशित करने और उच्च आय अर्जित करने के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि यदि आप एक पत्रकार हैं जो लिखने की अधिक स्वतंत्रता और अधिक आय चाहते हैं, तो सीधे इस मंच पर प्रकाशित करें! मस्क ने समाचार लेखों के लिए एक प्रारूप विकसित करने के लिए एक्स पर जोर दिया है, जहां वे केवल एक मुख्य छवि और स्रोत यूआरएल दिखाते हैं। छवि अभी भी लेख के लिंक के रूप में काम करेगी।

अमेरिका ने किया आपातकालीन अलर्ट परीक्षण

लॉस एंजिल्स । अमेरिकी की बाइडन सरकार ने देशव्यापी आपातकालीन अलर्ट परीक्षण आयोजित किया है। अमेरिकी संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षण में आपातकालीन चेतावनी प्रणाली (ईएएस) और वायरलेस आपातकालीन अलर्ट (डब्ल्यूईए) की क्षमताओं का परीक्षण किया गया। खबरों के मुता?बिक परीक्षण का डब?ल?यूईए भाग उपभोक्ता सेल फोन के लिए निर्देशित किया गया था। परीक्षण का ईएएस भाग रेडियो और टेलीविजन के लिए था। फेमा के अनुसार, परीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सिस्टम जनता को आपात स्थितियों के बारे में चेतावनी देने का प्रभावी साधन बना रहे।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के अंबोन में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि गुरुवार को 0425 जीएमटी पर अंबोन से 146 किलोमीटर दूर दक्षिण पश्चिम में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गयी है। भूकंप का केंद्र, 10.0 किलोमीटर की गहराई के साथ 4.47 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 127.11 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित था।

सूडान में आरएसएफ के हमले में नौ लोगों की मौत

खार्तूम। सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) अर्धसैनिक समूह के सशस्त्र बलों द्वारा खार्तूम में एक चिकित्सा केंद्र पर किए गए हमले में नौ नागरिक मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए हैं। सूडानी सशस्त्र बलों के प्रवक्ता नबील अब्दुल्ला ने बुधवार यह जानकारी दी। श्री अब्दुल्ला ने कहा, 'विघटित विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने बहरी में एक मस्जिद में एक चिकित्सा केंद्र पर बमबारी की है, जिसमें नौ नागरिकों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए।' अर्धसैनिक समूह ने अभी तक गोलाबारी पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। गौरतलब है कि 15 अप्रैल को सूडानी सेना और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़प हुई। अर्धसैनिक कमांडर जनरल मोहम्मद हमदान डागालो ने सूडानी संप्रभुता परिषद के प्रमुख और सशस्त्र बलों के कमांडर अब्देल फत्ताह बुरहान पर नागरिक सरकार को सत्ता सौंपने के लिए अनिच्छुक होने का आरोप लगाया। संघर्ष के पक्षों ने तब से कई अस्थायी राष्ट्रव्यापी युद्धविराम लागू किए हैं लेकिन किसी ने भी संघर्ष को सुलझाने में मदद नहीं की है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि संघर्ष में मरने वालों की संख्या सैकड़ों में हो सकती है जबकि रेड क्रॉस ने चेतावनी दी है कि व्यापक शत्रुता से देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के चरमराने का खतरा है।

पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी में दो लोगों की मौत

काबुल। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हुई गोलीबारी में एक 12 वर्षीय बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया है। पाकिस्तानी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के समाचार पत्र डॉन ने आईएसपीआर के हवाले से एक बयान में कहा कि '04 अक्टूबर को शाम चार बजे, बलूचिस्तान में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर चमन बॉर्डर क्रॉसिंग के फ्रेंडशिप गेट पर कार्यरत एक अफगान संतरी ने पाकिस्तान से अफगानिस्तान की ओर आने वाले पैदल यात्रियों पर अकारण और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।' गोलीबारी में एक बच्चा समेत दो लोगों की मौत हो गई है और एक बच्चा घायल हो गया। आईएसपीआर ने कहा कि घायल बच्चे को तुरंत सुरक्षा बलों ने बचाया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। बयान में कहा गया है कि अफगान अधिकारियों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है कि वे 'इस तरह के गैरजिम्मेदार और लापरवाह कृत्य का कारण पूछें, अपराधी को पकड़ें और पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दें।' आईएसपीआर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में अधिकारियों से अपेक्षा की गई थी कि वे 'भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचने के लिए अपने सैनिकों पर नियंत्रण रखें और जिम्मेदारी से कार्य करने के लिए अनुशासन प्रदान करें।' उन्होंने कहा कि 'पाकिस्तान शांति, समृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।'

जापान में फिर मंडराया सुनामी का खतरा, महसूस किए गएभूकंप के तेज झटके

टोक्यो। जापान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इस भूकंप की तीव्रता 6.6 बताई जा रही है। इसके बाद जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी को लेकर भी चेतावनी जारी कर दी है। जापान ने देश के पूर्वी तट पर इजू प्रायद्वीप के द्वीपों के लिए 1 मीटर की सुनामी की सलाह जारी की। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, सुबह 11 बजे तोरीशिमा द्वीप के पास आए भूकंप के बाद यह चेतावनी दी गई, जिसकी प्रारंभिक तीव्रता 6.6 थी। भूकंप का केंद्र टोक्यो से लगभग 550 किलोमीटर (340 मील) दक्षिण में प्रशांत महासागर में था। धरती पर जापान सबसे अधिक भूकंप प्रभावित इलाकों में से एक माना जाता है। 2011 में आए भीषण भूकंप की वजह से सुनामी ने उत्तरी जापान के बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया था और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र को भी इससे भीषम क्षति पहुंची थी।

तुर्की सेना का इराक में पीकेके के खिलाफ तीसरा हवाई अभियान

अंकारा । राजधानी अंकारा में आत्मघाती बम हमले के बाद तुर्की की सेना ने इराक में तीसरा सीमा पार हवाई अभियान चलाया। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फ़िदान ने एक सुरक्षा बैठक में चेतावनी दी कि सीरिया और इराक में प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) और सीरियाई कुर्द पीपुल्स प्रोटेक्शन यूनिट्स (वाईपीजी) के बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सुविधाएं अब तुर्की सेना के निशाने पर हैं। फ़िदान ने खुलासा किया कि अंकारा में हाल ही में हुए आत्मघाती बम हमले के लिए ज़िम्मेदार दो हमलावर सीरिया से आए थे। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार तुर्की के आंतरिक मंत्रालय ने दोनों हमलावरों की पहचान पीकेके सदस्यों के रूप में की है। तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध पीकेके तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। रविवार को तुर्की के आंतरिक मंत्रालय की इमारत के सामने हुए हमले में दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए। हमले के दौरान एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, जबकि दूसरे को पुलिस ने गोली मार दी। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तुर्की सशस्त्र बलों ने पीकेके के खिलाफ दो बड़े हवाई अभियान चलाए और उत्तरी इराक में गुफाओं, बंकरों, आश्रयों व गोदामों सहित 22 ठिकानों को नष्ट कर दिया। तुर्की सेना अक्सर पीकेके के खिलाफ उत्तरी इराक में जमीनी कार्रवाई, हवाई हमले और तोपखाने बमबारी करती रहती है, खासकर समूह के मुख्य आधार कंदील पर्वत में। तुर्की सेना ने पड़ोसी देशों के साथ अपनी सीमा पर वाईपीजी मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए 2016 में ऑपरेशन यूफ्रेट्स शील्ड, 2018 में ऑपरेशन ओलिव ब्रांच, 2019 में ऑपरेशन पीस स्प्रिंग और 2020 में उत्तरी सीरिया में ऑपरेशन स्प्रिंग शील्ड चलाया था।

बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं...पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा-

भारत विकास के मामले में काफी प्रगति कर रहा

मास्को (एजेंसी)। रूस स्थित मीडिया आरटी की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें बहुत बुद्धिमान व्यक्ति बताया है। पुतिन ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत विकास में काफी प्रगति कर रहा है। व्लादिमीर पुतिन ने वित्तीय सुरक्षा और साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई के क्षेत्र में रूस और भारत के बीच आगे सहयोग की भी उम्मीद जताई। आरटी न्यूज प्लेटफॉर्म द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहुत अच्छे राजनीतिक संबंध साझा करते हैं, वह बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं। और उनके नेतृत्व में भारत विकास में बहुत अच्छी प्रगति कर रहा है। यह इस एजेंडे पर काम करने के भारत और रूस दोनों के

हित को पूरी तरह से पूरा करता है।

उनकी टिप्पणी भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणा को अपनाने के तुरंत बाद आई है। गौरतलब है कि घोषणापत्र में यूक्रेन में चल रहे संघर्ष में शांति स्थापित करने का आह्वान किया गया था, लेकिन इसका दोष रूस पर नहीं डाला गया था, जो पिछले बाली घोषणापत्र से एक तीव्र विचलन दर्शाता है। नई दिल्ली घोषणा का मॉस्को ने स्वागत किया, जिसने इसे एक मील का पत्थर करार दिया और वैश्विक दक्षिण से जी20 देशों को एकजुट करने में भारतीय राष्ट्रपति पद की सक्रिय भूमिका की भी प्रशंसा की।

पिछले महीने भी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा था कि वह मेक इन इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा देने में सही काम कर रहे हैं। 8वें ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) में एक संबोधन में राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि आप जानते हैं, हमारे पास तब घरेलू स्तर पर निर्मित कारें नहीं थीं, लेकिन अब हमारे पास हैं। यह सच है कि वे मर्सिडीज या ऑडी कारों की तुलना में अधिक मामूली दिखती हैं, जो हमने 1990 के दशक में बड़ी मात्रा में खरीदारी की, लेकिन यह कोई मुद्दा नहीं है।

कई लोगों को काट चुका है बाइडेन का कुत्ता : रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का दो वर्षीय जर्मन शेफर्ड, कमांडर व्हाइट हाउस में पहले की तुलना में अधिक काटने की घटनाओं में शामिल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। हालांकि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने अब तक ऐसी 11 घटनाओं की पुष्टि की है, लेकिन सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि यह संख्या अधिक है और इसमें कार्यकारी निवास कर्मचारी और व्हाइट हाउस के अन्य कर्मचारी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, काटने की ऐसी एक घटना इतनी गंभीर थी कि इसके लिए अस्पताल में इलाज की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी घटनाएं भी थीं, जिनकी रिपोर्ट नहीं की गई और उनका इलाज नहीं किया गया। इस बीच, फर्स्ट लेडी के संचार निदेशक एलिजाबेथ अलेक्जेंडर ने सीएनएन को बताया कि 'कमांडर फिलहाल व्हाइट हाउस परिसर में नहीं हैं, जबकि अगले कदमों का मूल्यांकन किया जा रहा है।' अलेक्जेंडर ने कहा, 'राष्ट्रपति और प्रथम महिला व्हाइट हाउस में काम करने वालों और हर दिन उनकी सुरक्षा करने वालों की सुरक्षा के बारे में गहराई से परवाह करते हैं। वे अमेरिकी गुप्त सेवा और इसमें शामिल सभी लोगों के धैर्य और समर्थन के लिए आभारी हैं, क्योंकि वे समाधान के माध्यम से काम करना जारी रखते हैं।'

खलिस्तानी सिखों का भरपूर समर्थन करने की कोशिश हुई बेनकाब

-जस्टिन ट्रूडो ने की एक तरफ बातचीत की पेशकश, दूसरी तरफ हुई गुपचुप मीटिंग

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के मंसूबे उस वक्त ध्वस्त हो गए जब खालिस्तानी आतंकियों का समर्थन करने की कोशिश करते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो गए। बता दें कि भारत से रिश्ते खराब होने और पूरी दुनिया में आलोचनाओं से घबराए ट्रूडो ने पहले तो भारत से बातचीत की पेशकश की और जब भारत ने जवाबी ऐक्शन में उसके 40 राजनयिकों को देश निकाला दिया तो फिर ट्रूडो बौखला गए। अब उन्होंने एक तरफ अपनी विदेश मंत्री को भारत से प्राइवेट में बात करने की मिन्नतें करने के लिए आगे किया है तो दूसरी तरफ अपने खासम खास सांसद सुख धालीवाल को मारे गए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के सरे स्थित गुरुद्वारे में चुपचाप भेज दिया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लिबरल पार्टी के सांसद धालीवाल ने खालिस्तान पर सिखों का समर्थन हासिल करने के लिए रविवार को सरे के गुरुद्वारे का दौरा किया था। यही गुरुद्वारा भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव का केंद्र बना हुआ है।

माना जा रहा है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या

और भारत-कनाडा के बीच खराब हुए रिश्तों के संबंध में धालीवाल ने खालिस्तान समर्थक सिखों से चर्चा की और उसे अपना समर्थन देने का वादा किया है। इसी गुरुद्वारे की पार्क में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। वह इस गुरुद्वारे का अध्यक्ष था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि धालीवाल ने 2019 में भी निज्जर से मुलाकात की थी, जब उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इंटेलीजेंस सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रूडो के करीबी सहयोगी सुख धालीवाल ने निज्जर को कनाडा में अपना नेटवर्क स्थापित करने में भी मदद की थी।

बता दें कि धालीवाल ने अपने के संसदीय क्षेत्र सरे के एक गुरुद्वारे में ही निज्जर को शरण दिलाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आतंकी हरदीप सिंह निज्जर जो खालिस्तान टाइगर फोर्स का मुखिया था, वह नो फ्लाई लिस्ट में था लेकिन धालीवाल ने कनाडा में उसके लिए स्थाई निवास की व्यवस्था भी की थी। धालीवाल कनाडा की इमिग्रेशन कमेटी का अध्यक्ष भी है। सिखों के विशाल समर्थन की वजह से ही जस्टिन ट्रूडो ने धालीवाल को यह पदग दे रखा है।

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की लिंग बहस ने नए विवाद को दिया जन्म

-महिला अस्पताल वार्डों में ट्रांसजेंडर महिलाओं के इलाज पर प्रतिबंध की तैयारी

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक इन दिनों लिंग बहस के नए विवाद में फंस गए है। दरअसल उनका कहना है कि एक पुरुष एक पुरुष है और एक महिला एक महिला हैं। पीएम ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी सम्मेलन में अपने समापन भाषण के दौरान लिंग बहस पर अपना रुख साझा किया। सुनक का यह बयान इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि अप्रैल महीने में सुनक ने कहा था कि 99।9 प्रतिशत महिलाओं के पास लिंग नहीं होता। 4 अक्टूबर को कंजर्वेटिव पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए यूके के पीएम ऋषि सुनक ने कहा कि हमें इस बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए कि लोग किसी भी लिंग के हो सकते हैं जो वे चाहते हैं कि वे नहीं हो सकते। एक पुरुष एक पुरुष है और एक महिला एक महिला है। यह सामान्य सी बात है। सुनक ने कहा कि हम इस देश को बदलने जा रहे हैं और इसका मतलब है, जीवन का मतलब जीवन है। यह कोई विवादास्पद स्थिति नहीं होनी चाहिए। अधिकांश लोग इससे सहमत हैं।

पीएम ने कहा कि माता-पिता के लिए यह जानना भी विवादास्पद नहीं होना चाहिए कि उनके बच्चे रिश्तों के बारे में स्कूल में क्या सीख रहे हैं? ऋषि सुनक की यह टिप्पणी स्वास्थ्य सचिव स्टीव बार्कले द्वारा 3 अक्टूबर को इंग्लैंड में महिला अस्पताल वार्डों में ट्रांसजेंडर महिलाओं के इलाज पर प्रतिबंध लगाने की योजना के प्रस्ताव के बाद आई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य सचिव ने कहा था कि महिलाओं के स्वास्थ्य से निपटने के दौरान लिंग-विशिष्ट भाषा का उपयोग किया जाएगा। इस प्रस्ताव पर टोरी सांसदों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी क्योंकि उन्हें डर है कि एलजीबीटीक्यू+ लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सुनक के इस बयान ने सोशल मीडिया पर नई बहस छिड़ गई है।

आदमखोर मां की करतूत, अपने 5 साल के बेटे को मारकर खा गई उसका सिर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। काहिरा (ईएमएस)। एक आदमखोर मां ने अपने ही बेटे के पहले टुकड़े किए, बाद में सिर काटकर खा गई। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना मिस्र की है जहां एक महिला जिसे पागल करार दिया गया उसने अपने ही घर में पांच साल के बेटे की नृशंस हत्या की थी। मिली जानकारी के अनुसार एक मां ने अपने बेटे को चाकू से काटकर मार डाला और उसे खा गई। मिस्र की एक अदालत ने अपने 5 साल के बेटे को चाकू से काटकर उसके सिर का हिस्सा खाने वाली मां को आपराधिक रूप से पागल घोषित कर दिया है। महिला का नाम 29 वर्षीय हना मोहम्मद हसन है। उस पर अपने बेटे यूसुफ की नृशंस हत्या का मुकद्दमा चल रहा था लेकिन न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि आरोपी महिला अपनी पैरवी करने के लिए सही हालत में नहीं है। इसकी बजाय, अदालत ने तय किया कि उसने अपने बेटे को पागलपन की स्थिति में होने के बाद मार डाला था। उसे एक सुरक्षित मनोरोग इकाई में हिरासत में सुनवाई के दौरान अभियोजकों ने तर्क दिया कि हना मोहम्मद हसन ने इसलिए हत्या को अंजाम दिया क्योंकि उसे डर था कि उसके बेटे की कस्टडी उसके पूर्व पति के पास चली जाएगी। एक प्रारंभिक मनोरोग रिपोर्ट से पता चला है कि महिला ने जान बूझकर और बड़ी ही प्लानिंग के साथ इस कृत्य को अंजाम दिया।

उसने एक मोटी लकड़ी और छुरी ली, सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद

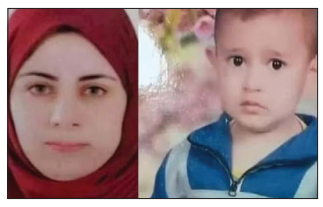

कर दीं। इसके बाद उसने अपने बेटे के सिर पर 3 बार वार किया था। सबूत मिटाने की कोशिश में उसने बेटे के शरीर के कई टुकड़े कर दिए थे। चौंकाने वाली घटना तब सामने आई जब मासूम यूसुफ के चाचा को उसके शरीर के टुकड़े मिले। यह परिवार उत्तरी मिस्र के फैकस में रहता है। लड़के के चाचा ने घर में एक बाल्टी में उसके शरीर के कुछ हिस्से देखे तो हैरान रह गए। गिरफ्तारी के बाद, आरोपी महिला ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल करते हुए कहा कि उसने ही अपने बेटे का सिर काटा और उसका कुछ हिस्सा खा लिया। महिला ने इस नृशंस हत्या की वजह बताते हुए कहा कि वह चाहती थी कि बेटा हमेशा उसके साथ रहे।

यूक्रेन में चुनाव के लिए अमेरिका से और धन मांगने पर रामास्वामी नाराज

-युद्धग्रस्त देश के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की हुई जमकर आलोचना

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने यूक्रेन द्वारा अमेरिका से और अधिक धन मांगने पर युद्धग्रस्त देश के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की जमकर आलोचना की गई है। राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल विवेक रामास्वामी ने यूक्रेन में चुनाव कराने के लिए अतिरिक्त धन की जरुरत पर नाराजगी जाहिर करते हुए यह भी कहा है कि वह अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। मीडिया से एक साक्षात्कार में 38 वर्षीय रामास्वामी ने अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर वह अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए तो यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता में कटौती कर देंगे। उन्होंने कहा कि मुझे तुष्टिकरण से भी समस्या है, लेकिन मैं बहुत स्पष्ट होना

चाहता हूं। हमें यहां अमेरिकी लोगों के बराबर रहना होगा। सिर्फ इसलिए कि पुतिन एक दुष्ट तानाशाह हैं और वास्तव में वह ऐसे हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यूक्रेन भला है। रामास्वामी ने कहा कि यूक्रेन एक ऐसा देश है जिसने 11 विपक्षी दलों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यही वह देश है जिसने सभी मीडिया संगठनों का एक सरकारी मीडिया शाखा में विलय कर दिया है, जिसके राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते एक नाजी की प्रशंसा की थी, उन्होंने अमेरिका को धमकी दी है कि अगर उन्हें अधिक धन नहीं मिलता है तो वह इस साल अपने देश यूक्रेन में आम चुनाव नहीं कराएंगे। रामास्वामी ने कहा कि वह नवंबर 2024 के चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले भी इस देश में अधिकांश लोग नहीं जानते थे कि मैं कौन हूं। अब हम पहले से ही कई मामलों में राष्ट्रीय औसत में तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय अमेरिकी नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि हम नामांकन की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन मेरे लिए यह मेरे बारे में नहीं है। यह ट्रंप के बारे में नहीं है। यह अमेरिका को पहले स्थान पर रखने के बारे में है। रामास्वामी ने कहा कि मुझे लगता है कि यह संदेश पूरे देश में गूंज रहा है। अगली पीढ़ी तक पहुंचने के लिए अलग पीढ़ी के किसी व्यक्ति की आवश्यकता होगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने टिक-टॉक से जुड़ने के अपने फैसले का बचाव में कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग भी इस मंच पर पहले से हैं। हमें इस देश में बदलाव लाने के लिए चुनाव जीतना होगा। मैं भारी जीत हासिल करना चाहता हूं।

इमरान खान का करीबी सहयोगी नौ मई के दंगों के मामले में बना सरकारी गवाह

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगियों में से एक और पीटीआई की टाइगर फोर्स के प्रमुख रहे उस्मान डार ने 9 मई के दंगे के मामले में पाला बदलने और अपने पार्टी प्रमुख के खिलाफ सरकारी गवाह बनने का फैसला किया है। टाइगर फोर्स के प्रमुख के रूप में कार्य करने के अलावा डार, पार्टी के लिए काम करने के लिए युवा स्वयंसेवकों को शामिल करने और बढ़ावा देने के लिए गठित एक संगठन के पूर्व विशेष सहायक भी थे। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में डार ने दावा किया कि दंगों की योजना और क्रियान्वयन की रणनीति लाहौर के ज़मान पार्क स्थित पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर बनाई गई थी। उन्होंने कहा, '9 मई की घटना की योजना लाहौर में उनके ज़मान पार्क निवास पर पीटीआई प्रमुख के रूप में इमरान खान की अध्यक्षता में हुई बैठकों में बनाई गई थी। इमरान खान ने खुद सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए थे।' कहा कि, 'इस बात पर चर्चा हुई कि हमें उन पर (सैन्य प्रतिष्ठान) दबाव बनाने के लिए जरूरत पड़ने पर राज्य संस्थानों पर हमला करना चाहिए।'

हिंदू और मुसलमानों के बीच झड़प, भारत के पड़ोसी देश में क्यों आई लॉकडाउन की नौबत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ने के बाद नेपाल के एक कस्बे में लॉकडाउन लगा दिया गया है। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना नेपालगंज में हुई, जिसे बांके जिले का एक उप-महानगरीय शहर नेपालगंज भी कहा जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एक हिंदू लड़के ने सोशल मीडिया पर मुसलमानों के बारे में 'विवादास्पद स्थिति' पोस्ट की थी। इसके परिणामस्वरूप हिंदू बहुल देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुसलमानों ने क्षेत्र के मुख्य सरकारी प्रशासक के कार्यालय भवन के अंदर स्थिति का विरोध किया, सड़कों पर टायर जलाए और यातायात अवरुद्ध कर दिया। शुरुआत में प्रशासन ने सोमवार को 24 घंटे का कर्फ्यू लगाया था और बाद में इसे अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया। राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में नेपालगंज में हिंदू विरोध प्रदर्शन पर हमले के बाद मंगलवार दोपहर से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था।

लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई

क्षेत्र के पुलिस प्रमुख संतोष राठौड़ ने कहा कि अधिकारी शहर में गश्त कर रहे हैं और लोगों को तालाबंदी के दौरान अपने घरों को छोड़ने या समूहों में इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। न तो रात भर और न ही बुधवार सुबह किसी परेशानी की कोई खबर आई। अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच किसी और झड़प को रोकने के लिए उन्हें घर पर रहने का आदेश लागू करने और लोगों को एक साथ इकट्ठा होने से रोकने की जरूरत है। नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा आम बात नहीं है, जो एक हिंदू-बहुल देश है और कुछ साल पहले ही धर्मनिरपेक्ष बना है। मुसलमान नेपालगंज की आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा बनाते हैं, और भारत की आबादी का केवल 14प्र., जो नेपाल शहर के साथ सीमा साझा करता है और एक व्यापक धार्मिक विभाजन देखा गया है।

इंस्टाग्राम और फेसबुक पर एड-फ्री प्लान के लिए यूरोपीय यूजर्स से पैसा वसूलेगी मेटा

नई दिल्ली । सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा अपने यूरोपीय यूजर्स से इंस्टाग्राम और फेसबुक की एड-फ्री प्लान के लिए प्रति माह लगभग 14 डॉलर का शुल्क लेना शुरू कर सकती है। एड-फ्री प्लान का सीधा मतलब ये है कि जो लोग इस कीमत का भुगतान करते हैं, उन्हें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन नहीं देखना पड़ेगा। भारतीय कीमत के हिसाब से 14 डॉलर का मतलब करीब 1,665 रुपये है। रिपोर्ट के मुताबिक मेटा अधिकारियों ने आयरलैंड में गोपनीयता नियामकों, ब्रुसेल्स में डिजिटल प्रतिस्पर्धा नियामकों के साथ-साथ यूरोपीय संघ के गोपनीयता नियामकों के साथ योजना साझा की है। मेटा डेस्कटॉप पर फेसबुक या इंस्टाग्राम की मंथली सदस्यता के लिए यूरोपीय यूजर्स से लगभग 10 यूरो या 10.46 डॉलर चार्ज करने की योजना बना रहा है, जिसमें हर अडिशनल अकाउंट के लिए लगभग 6 यूरो जोड़े जाएंगे। इसके अलावा, मोबाइल डिवाइस पर प्लान की कीमत लगभग 13 यूरो प्रति माह होगी। क्योंकि मेटा इन-एप भुगतान पर एप्पल और गूगल के एप स्टोर द्वारा लिए जाने वाले कमीशन को शामिल करेगा। मेटा ने रेगुलेटर्स को बताया कि वह आने वाले महीनों में यूरोपीय यूजर्स के लिए सब्सक्रिप्शन नो-एड प्लान शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे यूज़र्स को पर्सनलाइज विज्ञापनों के साथ फेसबुक और इंस्टाग्राम तक एक्सेस करने या बिना किसी विज्ञापन के सेवाओं के लिए भुगतान करने का ऑप्शन मिलेगा। मेटा प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी मुफ्त सेवाओं में विश्वास करती है जो पर्सनलाइज एड द्वारा सपोर्टेट हैं, लेकिन नियामक आवश्यकताओं को समझने के लिए वह ऑप्शन तलाशने के लिए तैयार हैं। कंपनी प्लान को इसलिए पेश करने की तैयारी कर रही है क्योंकि ईयू ने मेटा को यूजर्स के परमिशन के बिना उन्हें विज्ञापन से टारगेट करने से मना किया है, और अगर कंपनी ऐसा करती है, तब ईयू मेटा पर कड़ी कार्यवाही कर सकती है।

संजय सिंह के परिवार से मिले संजय राउत, कहा- हम सब आपके साथ हैं

मुंबई । आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने उनके घर जाकर उनकी पत्नी और मां से मुलाकात की है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि यह लड़ाई देश की है, हम मानसिक रूप से तैयार हैं कि हम सबको गिरफ्तार किया जाएगा। यह आपातकाल से भी ज्यादा भयंकर स्थिति है। मैंने संजय सिंह के घर जाकर उनकी पत्नी और मां से मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि हम सब उनके साथ हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को कहा था कि उन्हें इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वह लगातार केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ बोल रहे हैं। ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद अपने आवास से निकलने से पहले आप नेता ने अपनी मां के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने आवास के बाहर एकत्र हुए अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भी हाथ हिलाकर अभिवादन किया। सिंह को 4 अक्टूबर को उनके आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर अब 12 अक्टूबर को होगी सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर कई सवाल उठाए

नई दिल्ली। मनीष सिसोदिया की जमानत पर सुनवाई आज टल गई है ।सिसोदिया की जमानत पर 12 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली शराब नीति मामले की जांच कर रही एजेंसियों से कथित घोटाले में आप नेता मनीष सिसौदिया की भूमिका के बारे में सबूत मांगे। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो से पूछा कि सबूत कहां हैआपको घटनाओं की एक श्रृंखला स्थापित करनी होगी। अपराध की कार्यवाही कहां है? इस मामले में मनीष सिसौदिया शामिल नहीं दिख रहे हैं। विजय नायर तो हैं लेकिन मनीष सिसौदिया नहीं। आपने उसे मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कैसे लाया? शीर्ष अदालत ने कहा कि पैसा उसके पास नहीं जा रहा है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली शराब नीति मामले की जांच कर रही एजेंसियों से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे, जिससे उनके मामले की ताकत पर संदेह पैदा हुआ

ओडिशा में परिवार का दावा, सिक्किम में बाढ़ में सैनिक की हुई मौत

भुवनेश्वर। उत्तरी सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के बाद लापता हुए 23 सैन्यकर्मियों में से एक सरोज कुमार दास की कथित तौर पर मौत हो गई है। गुरुवार को ओडिशा में उनके परिवार ने ये दावा किया। हवलदार सरोज ढेंकनाल जिले के कामाख्यानगर ब्लॉक के अंतर्गत केंदुधिपा गांव के निवासी थे। 'उन्होंने (सेना अधिकारियों ने) हमें पांच शवों की तस्वीरें भेजीं। अधिकारियों ने कहा कि अब तक पांच शव बरामद किए गए हैं और उन्होंने हमसे यह सत्यापित करने के लिए कहा है कि मेरा भाई उनमें से एक है या नहीं। मैंने देखा कि मेरा भाई उन पांच सैन्यकर्मियों में शामिल था जिनके शव बरामद किये गये हैं।' सरोज के भाई ने कहा, 'सेना के अधिकारियों ने कहा कि वे कुछ घंटों बाद रिपोर्ट भेजेंगे। डॉक्टर पहचान चिह्नों की जांच कर रहे हैं।' कथित तौर पर परिवार के सदस्यों ने बाद में एक वीडियो कॉल के दौरान सरोज के शव की पहचान की। 2012 में भारतीय सेना में जवान के रूप में शामिल हुए सरोज की सात महीने पहले शादी हुई थी। वह आखिरी बार अगस्त में अपने घर आए थे और बाद में सितंबर के पहले सप्ताह में अपनी ड्यूटी पर वापस आ गए थे। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने परिवार और रिश्तेदारों को पूरी तरह से तोड़ दिया है जो पिछले दो दिनों से उनके सुरक्षित घर वापसी की प्रार्थना कर रहे थे।

वंदे भारत के रंग को लेकर उठ रहे थे सवाल, रेल मंत्री बोले- इसके पीछे कोई राजनीति नहीं, वैज्ञानिक सोच है

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में पत्रकारों से बातचीत में इस धारणा को खारिज कर दिया कि नारंगी रंग की वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने के पीछे कोई राजनीति है। उन्होंने कहा कि रंगों का चयन वैज्ञानिक सोच से किया गया था। उन्होंने कहा कि मानव आँखों के लिए, दो रंग सबसे अधिक दृश्यमान माने जाते हैं - पीला और नारंगी। यूरोप में, लगभग 80 प्रतिशत ट्रेनों में या तो नारंगी या पीले और नारंगी का संयोजन होता है। उन्होंने कहा कि सिल्वर जैसे कई अन्य रंग भी हैं, जो पीले और नारंगी जैसे चमकीले होते हैं, लेकिन अगर हम मानव आंखों की दृश्यता की दृष्टि से बात करें तो ये दो रंग सबसे अच्छे माने जाते हैं। वैष्णव ने कहा कि इसके पीछे कोई राजनीति नहीं है और यह 100 प्रतिशत वैज्ञानिक सोच है। उन्होंने कहा कि इन्हीं कारणों से विमानों और जहाजों में ब्लैक बॉक्स नारंगी रंग के होते हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि बचाव नौकाएं और जीवन जैकेट, जिनका उपयोग राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल करता है, नारंगी रंग के होते हैं। भारतीय रेलवे ने 24 सितंबर को केरल के कासरगोड और तिरुवनंतपुरम के बीच अपनी पहली नारंगी-ग्रे रंग की वंदे भारत ट्रेन शुरू की। यह उन नौ वंदे भारत ट्रेनों में से एक थी जिसे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 सितंबर को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में हरी झंडी दिखाई थी। कासरगोड-तिरुवनंतपुरम 31वीं वंदे भारत ट्रेन थी, जो 19 अगस्त को तमिलनाडु के चेन्नई के पेरंबूर में रेल कोच निर्माता इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में ट्रायल रन के लिए ट्रैक पर उतरी थी। अश्विनी वैष्णव का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब वंदे भारत ट्रेन के नारंगी रंग को लेकर राजनीति होती दिखाई दे रही थी। भले ही इसको लेकर सरकार पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाई जा रहे थे। लेकिन कहीं ना कहीं यह दावा किया जा रहा था कि सरकार की सोच भगवाकरण की दिशा में है और उसी को लेकर वंदे भारत को भी नारंगी रंग दिया गया है जो बिल्कुल भगवा रंग से मिलता जुलता है। कहीं ना कहीं अपना बयान देकर इस तरह के सोच रखने वाले लोगों को अश्विनी वैष्णव ने सही जानकारी दे दी है।

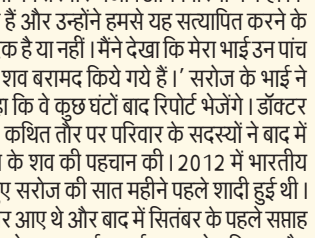

सुप्रीम कोर्ट का खुलासा, हमने किसी को आरोपी बनाने के लिए नहीं कहा

-दिल्ली शराब घोटाला केस में चल रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने खुलासा किया है कि उसने किसी को आरोपी बनाने के लिए नहीं कहा। ईडी अपना काम कर रही है, जांच में सबूत के आधार पर कार्रवाई होगी। यह बात दिल्ली शराब घोटाला केस के आरोपी मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच कही। गौरतलब है कि बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी शीर्ष अदालत में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पटपड़गंज से आम आदमी पार्टी के विधायक मनीष सिसोदिया का पक्ष रखते हुए केस से जुड़े तथ्यों को कोर्ट के सामने रखा। अभिषेक मनु सिंघवी ने जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच के सामने एक चार्ट रखा जिसमें सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस में हुई कल की गिरफ्तारियों और सह आरोपियों को जमानत मिलने की तारीख का ब्यौरा था। सिंघवी ने अपनी दलील में कहा- मेरे मुवक्किल का विजय नायर से मेरा कोई संबंध नहीं है। वह आम आदमी पार्टी का एक वॉलंटियर था, जो आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। मनीष सिसोदिया के खिलाफ जो भी आरोप लगाए गए हैं, वे सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं, उनको साबित करने के लिए जांच एजेंसियों के पास ठोस सबूत नहीं है। सिंघवी ने कहा कि जिन बयानों के चलते मनीष सिसोदिया के खिलाफ केस होने का दावा किया जा रहा है, उनमें खुद विरोधाभास है। अभिषेक मनु सिंघवी ने दिल्ली शराब घोटाला केस में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाए जाने की चर्चाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अखबारों में हेडलाइन है कि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा है कि आप को आरोपी क्यों नहीं बनाया? ज्यादातर समाचार चैनल चला रहे हैं कि ईडी आम आदमी पार्टी को इस केस में आरोपी बनाना चाहती है। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा- हम अदालत में कई सवाल पूछते हैं। हम मीडिया रिपोर्ट से प्रभावित नहीं होते। ईडी के वकील एसवी राजू ने कहा कि अगर सबूत हैं तो हम किसी को नहीं छोड़ेंगे।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीएमएलए के तहत हमने जो सवाल पूछा था उसका आधार ये था कि सी-डी को आरोपी बनाया एक-बी को क्यों नहीं बनाया? यह एक कानूनी सवाल था, जिसका जवाब हमने ईडी से मांगा। शीर्ष अदालत ने साफ किया- हमने ईडी से यह नहीं पूछा था कि आप किसी को आरोपी बनाइए। हमने सिर्फ एक कानूनी सवाल पूछा था कि अगर ए को फायदा पहुंचा है, तो क्या बी या सी के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है?

जस्टिस खन्ना ने कहा कि ईडी के अनुसार आरोप है कि 30 करोड़ दिनेश अरोड़ा को दिए गए, 35प्र. इंडोस्पिरिट को दिया गया और होलसेलर को 65प्र. मिला। ईडी की तरफ से कहा की पॉलिसी बनाने के फैसले को चुनौती नहीं दी गई है। इस पर जस्टिस खन्ना ने पूछा कि आपके अनुसार नीतिगत निर्णय व्यक्तिगत लाभ के लिए प्रेरित था, तो क्या इसका मतलब यह नहीं होगा कि आप नीतिगत फैसले को चुनौती दे रहे? एसवी राजू ने कहा कि हमारा कहना है कि नीति थोक विक्रेताओं को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई थी, हम बताएंगे कि कैसे इसको तैयार किया गया था और इसमें मनीष सिसोदिया की क्या भूमिका थी।

चंद्रयान-3 से मिली जानकारियां कई रहस्य उजागर करेंगी

नई दिल्ली । इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 चांद पर भेजकर बडी सफलता हासिल की है। चांद दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान 3 की सफल लैडिंग ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। अब माना जा रहा है कि विक्रम लैंडर ने जो जानकारियां यहां भेजी हैं वो भविष्य में काफी काम आने वाली है। कई लोगों को उम्मीद थी कि यह अभियान अपनी 15 दिन की छोटी सी अवधि के आगे भी काम करेगा, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। इसके बाद भी इसरो ने अपने अभियान को पूरी तरह से सफल घोषित किया है। इसरो ने कहा है कि 15 दिनों में इस अभियान के जरिए बहुत सारे आंकड़े हासिल कर लिए गए हैं। इस अभियान के दौरान बीच में विक्रम लैंडर के उछलने का एक अप्रत्याशित प्रयोग हुआ था, जिसे हॉप प्रयोग कहा जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह प्रयोग भविष्य में चंद्रमा के लिए इसरो के अभियानों के लिए बहुत अधिक उपयोगी सिद्ध होगा।जब चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद जब प्रज्ञान रोवर विक्रम लैंडर से अलग होकर काम कर रहा था, तब अचानक विक्रम लैंडर अपने स्थान पर कूद पड़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रयान-3 के प्रोजेक्ट निदेशक पी वीरामुथुवेल ने बताया कि विक्रम लैंडर का चंद्रमा पर कूदने का यह प्रयोग नियोजित नहीं था। वीरामुथुवेल ने बताया की विक्रम का उछलना अभियान के निर्धारित उद्देश्यों के पूरी तरह से बाहर की घटना थी। कूदने का यह प्रयोग पहले से नियोजित नहीं था। विक्रमलैंडर ने बीते 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग की थी जिसके बाद से प्रज्ञान रोवर ने उससे निकलकर चंद्रमा पर बहुत सी जानकारी जुटाने का काम किया और उसके लिए जरूरी प्रयोग किए।

प्रियंका गांधी बोलीं- विपक्षी नेताओं को बनाया जा रहा निशाना, अब भाजपा को बदलने का समय

धार (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मध्य प्रदेश के धार में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर राज्य में कांग्रेस अपनी ताकत लगा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह कई महापुरुषों की भूमि है। हम उन्हें महापुरुष कहते हैं क्योंकि उन्होंने जीवन भर जनता के हितों के लिए संघर्ष किया और कभी उनका भरोसा नहीं तोड़ा। उन्होंने कहा कि यहां व्यापमं घोटाला हुआ। क्या कोई जांच कराई गई? अगर आप उनके (बीजेपी) खिलाफ लिखते हैं तो ईडी तुरंत पहुंच जाती है। आपको पूछना होगा कि ईडी अभी तक यहां क्यों नहीं आई? जब माँ नर्मदा के साथ और सप्तऋषियों की मूर्तियों के संबंध में (महाकाल गलियारे में) भ्रष्टाचार हो सकता है...क्या भगवान के साथ भी कोई भ्रष्टाचार करता है? क्या अब उन्हें (बीजेपी को) बदलने का समय नहीं आ गया है?

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज आदिवासी समाज की गौरव और गोंडवाना साम्राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती है। उन्हें मेरा शत-शत नमन। आदिवासी नायक भीमा नायक जी, शंकर शाह जी, रघुनाथ शाह जी और बादल भोई जी की विरासत को नमन। यह महाराजा भोज की धरती है। शहीद महाराजा बख्तावर सिंह जी की धरती है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपना बलिदान दिया। यहीं पर आदिवासी समाज व राष्ट्र के नायक टंट्या मामा ने आजादी के लिए प्राणों का बलिदान दिया। यह संविधान निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर जी की भी धरती है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का यहां से पुराना रिश्ता रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं सुबह उठकर देखी कि मोदी जी क्या भाषण दे रहे हैं। हम जो कहते है, वो भी वहीं कहते हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हमने रोजगार दिलाए हैं। हम कहते हैं कि हमने दिलाएं। ऐसे में जनता को कैसे पता चलेगा कि सच कौन बोल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों में 17 हजार नवयुवकों ने खुदकुशी की है। मेरी बातों में भी मत पड़िए। सच्चाई और अपने अनुभव में पड़िए। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश पर गर्व है क्योंकि हमारा देश ऐसा था जिसका लोकतंत्र पड़ोसी देशों में सबसे मजबूत माना जाता था। संविधान लिखने वाले लोगों ने इस देश के लिए अपनी जान दे दी। हमें अपने देश पर गर्व है जिसका संविधान है लिखा कि सभी को समान अधिकार मिलना चाहिए। कांग्रेस सरकार ने पंचायतों को अधिकार देकर इस अधिकार को मजबूत बनाया।

खरगे ने की हिमाचल में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

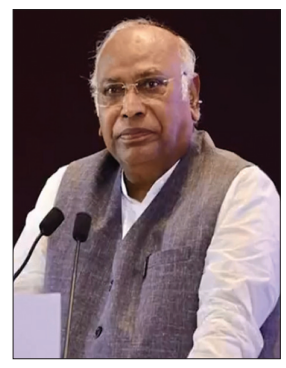

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बाढ़ जैसी त्रासदियों को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। खरगे ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार से सिक्किम और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ जैसी त्रासदियों को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए कहा कि पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील राज्यों की स्थिति से निपटने के लिए सरकार को नए सिरे से रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से यह आग्रह भी किया कि सिक्किम में बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और लापता लोगों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कि सिक्किम में स्थिति अनिश्चित है क्योंकि यहां पर बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के कारण कई लोगों की जान चली गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना के बहादुर जवानों सहित कई लोग लापता हैं। हमारी संवेदनाएं सिक्किम के लोगों के साथ हैं जो इस संकटपूर्ण समय से जूझ रही हैं।

खरगे ने कहा कि समय की मांग है कि केंद्र सरकार को बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और लापता लोगों को ढूंढने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, जिनकी संख्या कथित तौर पर लगातार बढ़ रही है। उनका कहना है कि बुनियादी ढांचे को बहुत नुकसान हुआ है और केंद्र व राज्य सरकार को इस खूबसूरत राज्य के पुनर्निर्माण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता इस मानवीय संकट में हर संभव मदद करेंगे। इसलिए केंद्र सरकार को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमालयी राज्यों की स्थिति से निपटने के लिए अपनी रणनीति को फिर से तैयार करना चाहिए।

रविशंकर प्रसाद ने लगाया जाति आधारित गणना की प्रामाणिकता पर प्रश्नचिन्ह

-नीतीश सरकार पर साधा निशाना, कहा- मेरे घर परिवारमें नहीं हुआ कोई सर्वे

पटना (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने बिहार में जाति आधारित गणना पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। उन्होंने कहा कि जब मेरे घर परिवार में कोई सर्वे करने ही नहीं आया तो यह संदेहपूर्ण है। उन्होंने जाति आधारित गणना कराने में नीतीश कुमार सरकार द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और इस सर्वेक्षण की प्रामाणिकता पर संदेह जताते हुए इस कार्य में शामिल गणनाकारों के कार्य को भी मनगढ़ंत बताया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने शुरू से ही राज्य में जातिगत सर्वेक्षण का समर्थन किया। भाजपा देश में दलितों, गरीबों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में किस तरह का सर्वेक्षण (जातिगत जनगणना) कराया है, आंकडा कैसे एकत्र किया गया, यह सवाल जरूर पूछा जाएगा। मैं पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित सांसद हूं, लेकिन गणनाकर्ता इस अभ्यास के दौरान न तो मुझसे और न ही मेरे परिवार के सदस्यों से मिले। उन्होंने कहा कि इसलिए इस सर्वेक्षण को करने में राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और इस सर्वेक्षण की प्रामाणिकता पर निश्चित रूप से सवाल उठाया जाएगा।

रविशंकर ने कहा कि हम सरकार से सर्वेक्षण रिपोर्ट के आंकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग करते हैं ताकि लोगों को पता चल सके कि गणनाकारों ने कितने परिवारों से संपर्क किया और कुल कितने हस्ताक्षर परिवार के मुखिया के लिए गए। उन्होंने कहा कि गणनाकर्ताओं को अभ्यास के दौरान परिवार के मुखिया के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लेना था। मेरे मामले में ऐसा नहीं किया गया। मुझे पता चला है कि कोई (गणनाकर्ता) आया और मेरे घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति से मेरे परिवार के बारे में पूछा और चला गया।

इस दौरान हमें बड़ी संख्या में लोगों से ऐसी ही शिकायतें मिल रही हैं। ऐसी खबरें हैं कि कई क्षेत्रों को, जहां एससी-एसटी, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्ग के लोग बडी संख्या में हैं उनको अभ्यास के दौरान छोड़ दिया गया। रविशंकर ने आरोप लगाया कि यह पूरी कवायद राज्य सरकार द्वारा एससी-एसटी, ओबीसी और अत्यंत पिछड़े वर्गों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि केंद्र की राजग सरकार एससी-एसटी, ओबीसी और समाज के अत्यंत गरीब वर्गों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए अथक प्रयास कर रही है।

शरद पवार और अजित पवार को चुनाव आयोग का नोटिस

- शुक्रवार 3 बजे दिल्ली में पेश होने का आदेश

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ी हलचल होने की संभावना है. एनसीपी में फूट के बाद अब चुनाव आयोग ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है. मालूम हो कि चुनाव आयोग में पार्टी चिन्ह और पार्टी के नाम को लेकर शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच लड़ाई चल रही है. वहीं, चुनाव आयोग ने दोनों गुटों के नेताओं को नोटिस जारी किया है. चुनाव आयोग ने शरद पवार और अजित पवार को नोटिस जारी कर शुक्रवार 3 बजे दिल्ली में पेश होने का आदेश दिया है. संगठन किसका इस बारे में चुनाव आयोग को निवेदन सौंपा जाने वाला है. इसलिए शरद पवार और अजित पवार को चुनाव आयोग के सामने पेश होना होगा. दरअसल एनसीपी के विभाजन के बाद दोनों गुटों ने चुनाव आयोग के समक्ष लिखित रूप में अपना निवेदन पेश किया है। इस संबंध में चुनाव आयोग को शपथ पत्र के जरिए जानकारी दी गई है. अब अगला कदम यह है कि दोनों नेताओं को चुनाव आयोग के सामने पेश होना होगा. लेकिन अब सूत्रों से जानकारी मिली है कि शरद पवार चुनाव आयोग के सामने पेश नहीं होंगे. बताया गया है कि वकील अभिषेक मनु सिंघवी शरद पवार गुट का प्रतिनिधित्व करेंगे. इस बीच, इससे पहले शरद पवार गुट ने आयोग को 9 हजार पेज का हलफनामे सौंपे थे. अजित पवार गुट की ओर से 5 हजार पेज का हलफनामे दाखिल किए गए हैं. साथ ही शरद पवार ने अजित पवार गुट पर ही आपत्ति जताई है. राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रस्तावक छगन भुजबल, अजित पवार, सुनील तटकरे और धनंजय मुंडे थे. इन चारों नेताओं की सहमति से ही शरद पवार का चयन किया गया. साथ ही अजित पवार गुट की ओर से चुनाव आयोग को सौंपे गए हलफनामे में भी त्रुटियां पाई गई हैं.

मान सरकार ने पंजाब की अर्थव्यवस्था को वेंटिलेटर पर डाला: भाजपा

चंडीगढ़(एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के शासन में पंजाब के खराब वित्तीय हालत के बारे में उनकी चिंताएं सही साबित हुई हैं।

यहां जारी एक बयान में शेरगिल ने कहा कि उनके द्वारा बार-बार जाहिर की गई चिंताएं पूर्ण रूप से सही साबित हुई हैं, क्योंकि सरकार ने अपने डेढ़ साल के छोटे से कार्यकाल के दौरान 50,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेने की बात स्वीकार की है। इससे यह कहना गलत नहीं होगा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था आईसीयू में वेंटिलेटर पर हांफ रही है। यह आप सरकार की गलत नीतियों और आर्थिक कुप्रबंधन का नतीजा है, जो मौजूदा हालातों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होने मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को लिखे गए पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि पत्र में मान ने खुद स्वीकार किया है कि राज्य की वित्तीय हालत अच्छी नहीं है। इसके अलावा, ऋण के उपयोग के विवरण को लेकर पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आप सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान पिछले डेढ़ साल में राज्य के कर्ज में 47,107.6 करोड़ रुपये बढ़ोतरी हुई है। शेरगिल ने कहा कि यह पूरी तरह से मान सरकार के उन दावों को खारिज करता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। बल्कि इससे खुलासा होता है कि अर्थव्यवस्था मंदे हालातों में है और अत्यंत बुरे दौर से गुज़र रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आप सरकार को पूरी तरह से दिशाहीन बताते हुए कहा कि यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में भी राजस्व संग्रह बढ़ाने के किसी भी नए विकल्प का जिक्र नहीं है। बावजूद इसके कि राज्य में लगातार गहराते वित्तीय संकट की समस्या से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। शेरगिल ने जोर देते हुए कहा कि वास्तव में, सरकार के पास राजस्व पैदा करने के लिए कोई पुख्ता सोच नहीं है, जिससे राज्य को घाटे से बाहर निकाला जा सके। जबकि राज्य भारी कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। शेरगिल ने कुछ आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंत में पंजाब पर 2.82 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में बढ़कर 3.12 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंत तक कर्ज 3.47 लाख करोड़ रुपये की नई ऊंचाई को छूने का आशंका है।

24 दिन बाद क्या आने वाला है महाजलजला? हिमालय से लगे राज्यों में आ सकता है बड़ा भूकंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या दिल्ली से लेकर काठमांडू और कराची तक 8 तीव्रता का बहुत बड़ा जलजला आने वाला है। क्या ये महाविनाशकारी भूकंप आना तय है और 29 अक्टूबर के आसपास इस तरह का भूकंप आ सकता है? वैसे तो भूकंप के बारे में पहले से कुछ भी कहना मुश्किल होता है। लेकिन जिस तरीके से एक ही दिन में आठ बार धरती का कांपना और हिमाचल की हलचल को देखते हुए दिल्ली के आसपास जल्द ही एक बड़े और विनाशकारी भूकंप की आशंका बढ़ गई है। दोपहर के करीब 2 बजकर 50 मिनट के आसपास भूंकप के झटके महसूस किए गए थे। इसका सेंटर नेपाल था। उसके बाद आज नॉर्थ ईस्ट में बादल फटा। ऐसे में दिल्ली के आसपास 8 तीव्रता का भूकंप आ गया तो कुछ बाकी नहीं बचेगा। 80 प्रतिशत दिल्ली तबाह हो जाएगी।

भूकंप आते ही लोग अपने घर से निकल गए और कुछ तो मोबाइल पर इसकी तीव्रता का पता कर रहे थे। इस भूकंप का केंद्र नेपाल था और इसकी तीव्रता 6.2 थी। खतरा इसलिए बड़ा था क्योंकि नेपाल में भूकंप का केंद्र धरती से पांच किलोमीटर था। नेपाल में एक घंटे के भीतर 5 और 6 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेपाल में धरती हिलते ही लोगों को वर्ष 2015 की तबाही याद आ गई। जब 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। उस वक्त विनाशकारी भूकंप से 9 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे और 23 हजार से ज्यादा घायल हो गए थे।

जब भी भूकंप के केंद्र की बात होती है तो उसमें ये बताया जाता है कि भूकंप जमीन के कितने नीचे आया है। जैसे नेपाल में आए इस भूकंप का केंद्र जमीन से सिर्फ 5 किलोमीटर नीचे था। सिस्मोलॉजी में भूकंप को दो श्रेणी में बांटा जाता है। पहला शैलो और दूसरा डीप। दुनिया में कहीं भी भूकंप आए उन्हें इन्हीं दो श्रेणियों में रखा जाता है। शैले यानी सतही भूकंप ऐसे होते हैं जिनका केंद्र जमीन के 70 किलोमीटर नीचे माना जाता है। इसमें भूकंप की तीव्रता बहुत तेज होती है। वहीं डीप भूकंप ऐसे होते हैं जिनका केंद्र जमीन के 70 किलोमीटर से ज्यादा नीचे होता है। इसकी तीव्रता पृथ्वी की सतह पर कम महसूस होती है। इस तरह के भूकंप बड़े क्षेत्र में महसूस किए जाते हैं।

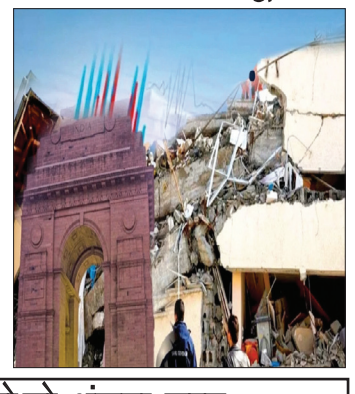

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेलवे स्टेशन पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की छापेमारी, भारी मात्रा में शराब के साथ चार लोग गिरफ्तार 1 आरोपी फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने एक बार फिर छापा मारा है. रेलवे स्टेशन प्लेट फॉर्म नंबर 1 के पास से 4 इसामो को मात्रा में शराब के साथ जब्त किया गया. इस घटना में शराब, 4 मोबाइल फोन समेत कुल 1.67 लाख का कीमती सामान जब्त किया गया है. साथ ही 5 लोगों को वांछित घोषित किया गया है.

आरोपियों से 1,57,900 रुपए की शराब, ४ मोबाइल फोन और 1700 रुपए नकद कुल 1,67,600 रुपए जब्त किए गए हैं. इसके अलावा इस घटना में महेश यादव, किशोर, प्रवीण और प्रमोद नामक व्यक्तियों को वांछित घोषित किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सूरत रेलवे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है.

राज्य मॉनिटरिंग सेल के लिए सूरत हॉटस्पॉट

सूरत में, राज्य मॉनिटरिंग सेल की एक टीम ने एक गुप्त सूचना पर सूरत रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 के पास छापा मारा और 4 लोगों को मात्रा में शराब के साथ पकड़ा। इस घटना में सिसगर संतोष गिरधारीलाल पटेल, राहुल उर्फ कालू उत्तम कनौजिया, कृष्ण कुमार सियाराम बिंद और रोहित सेवालाल को गिरफ्तार किया गया है। सूरत रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े पैमाने पर शराब की बिक्री की सूचना स्टेट मॉनिटरिंग सेल को भी दी गई है. आने वाले दिनों में पांडेसरा उधना अलथान समेत अन्य इलाकों में शराब के अड्डे उजागर होने की आशंका है।

सूरत में स्पा के नाम पर चल रहे देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़, AHTU ने 4 महिलाओं समेत 3 ग्राहकों को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा बमरोली रोड पर सिद्धि विनायक प्लैटनियम शॉपिंग सेंटर में हर्बल ब्यूटी और स्पा-मसाज की आड़ में चल रहा घोटाला पकड़ा गया है। बताया गया कि हरियाणा की एक महिला मैनेजर स्थानीय लोगों के सहयोग से बाहर से लड़कियां बुलाकर यह वेश्यालय चला रही थी। जिसके आधार पर एएचटीयू की टीम ने छापेमारी कर 4 महिलाओं और ३ ग्राहकों को गिरफ्तार कर लिया. पांडेसरा पुलिस ने इस मामले में आगे की कार्रवाई की है.

स्पा में नाबालिग लड़कियों का भी हो रहा है दुरुपयोग जानकारी के मुताबिक,

पिछले कुछ समय से सूरत शहर में स्पा और मसाज की आड़ में देह व्यापार शुरूहो गया है. यहां तक कि नाबालिग छात्र भी स्पा और मसाज में जा रहे हैं। तभी पांडेसरा में बूचड़खाना चलने की जानकारी मिलने पर एएचटीयू सेल की टीम ने दुकान नंबर 12 पर दौरा किया. एम-24,25 "हर्बल ब्यूटी एंड स्पा" के मालिक जोशेफ़ के बारे में बताया गया कि वह अपने स्पा पार्लर के बाहर से लड़कियों को बुलाकर वेश्यालय चला रहा था, जिसमें 23 वर्षीय समसू झा जमीरूल इस्लाम (मूल रूप से पश्चिम बंगाल) को मसाज मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया था। पार्लर और स्पा में लड़कियां सप्लाई करता था। अपराधी राजा उर्फ राज मराठी, संतोष ने छोटू बिहारी के माध्यम से 4 लड़कियों को अपने मसाज पार्लर में बुलाया था।

पुरुष और महिला आरोपियों को पकड़ा गया।स्पा का मालिक और मैनेजर अपने आर्थिक फायदे के लिए लड़कियों से देह व्यापार का धंधा करा रहे थे। स्पा उन ग्राहकों को सुविधाएं प्रदान करता था जो मसाज की दुकान पर शारीरिक सुख का आनंद लेने के लिए आते थे। ये लड़कियों से स्पा-मसाज की आड़ में अपने आर्थिक फायदे के लिए वेश्यालय चलाते थे। जिसमें 36 वर्षीय संतोषकुमार राधेश्याम महंतो, 23 वर्षीय सैयद अनवर नजीर हुसैन अंसारी, 27 वर्षीय सराफत हुसैन अब्दुल रहीम मौके पर मौजूद मिले। छापेमारी के दौरान कुल 24,000 रुपये का कीमती सामान जब्त किया गया. स्पा-मसाज पार्लर में महिला सप्लायरों को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई कर 4 लड़कियों को मुक्त कराया गया। इस घटना को लेकर हरियाणा की महिला प्रशासक ने पांडेसरा थाने में विरोध दर्ज कराया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

सचिन जीआईडीसी केमिकल कांड में डेढ़ साल से फ़रार आरोपी अंकलेश्वर से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी केमिकल कांड के दो अलग-अलग अपराधों में डेढ़ साल से वांछित एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी संदीप ओमप्रकाश गुप्ता को अंकलेश्वर से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपियों ने एक टैंकर से खाड़ी में रसायन छोड़े, जिससे जहरीली गैस निकली, जिससे ६ लोगों की मौत हो गई और बगल की मिल में २३ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उस समय पुलिस ने पूरे मामले में १५ आरोपियों को गिरफ्तार कर चार्जशीट बनाई थी, लेकिन आरोपी संदीप गुप्ता फरार था, डेढ़ साल बाद आरोपी को अंकलेश्वर से गिरफ्तार किया गया, पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है.

6 जनवरी 2022 की सुबह सूरत सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में प्राकृतिक खाड़ी में टैंकर से केमिकल खाली करते समय उत्पन्न जहरीली गैस के कारण विश्व प्रेम मिल में काम करने वाले 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि अन्य 23 लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए, उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस पूरे मामले में सचिन जीआईडीसी थाने में मामला दर्ज किया गया. साथ ही इस पूरी घटना की जांच सूरत क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई. इससे पहले जांच के दौरान पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया था और 3,715 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी.

अवैध केमिकल डंपिंग नेटवर्क चलाने वाले 6 लोगों की मौत के आरोपी संदीप ओमप्रकाश गुप्ता का नाम आया सामने. जो अपराध दर्ज होने के बाद से फरार हो गया था. आरोपी के खिलाफ सचिन जीआईडीसी पुलिस स्टेशन में एक और मामला भी दर्ज किया गया था। जिसकी जांच एसओजी को सौंपी गई थी. इन दोनों अपराधों में गिरफ्तारी से बचने के लिए घूम रहे संदीप गुप्ता के नाम कोर्ट से सीआरपीसी की धारा ७० के तहत गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुआ था. घटना की जांच कर रही सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी संदीप ओमप्रकाश गुप्ता को अंकलेश्वर से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और रिमांड पर लेने की कोशिश कर रही है.

संदीप गुप्ता आदतन आपराधिक घटना के संबंध में सूरत क्राइम ब्रांच पीआई ललित वेगड़िया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संदीप गुप्ता का आपराधिक इतिहास है. इससे पहले डीसीबी थाने में आसिफ टमाटर गैंग के सागरित के खिलाफ गुजसीटोक का मामला दर्ज किया गया था. इसमें उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. साथ ही उसके खिलाफ पहले भी सचिन थाने में शराब, जुआ और मारपीट समेत अन्य अपराध दर्ज हैं। आरोपी सचिन पर इलाके के टपोरी लोगों की छाप थी. फिलहाल सूरत क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है और इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

जलालपोर तालुका में प्रेम संबंध से इनकार करने वाले प्रेमी ने लड़की पर हिंसक हमला कर दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी,जलालपोर तालुका के मारोली के दल्की गांव में रहने वाले एक युवक को उसकी प्रेमिका ने उसके साथ यौन संबंध बनाने से मना कर दिया, जिससे वह नाराज हो गया और उसका अपहरण कर रेलवे स्टेशन ले गया और उसके साथ हिंसक तरीके से मारपीट की और भाग गया। लहूलुहान हालत में बेहोश हुई लड़की को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जलालपोर तालुका के मरोली पंथक में रहने वाली २० वर्षीय लड़की और मरोली के पास दल्की गांव के मालेक पालिया में रहने वाले बासित पिछले छह महीने से रिलेशनशिप में थे। लेकिन किसी कारण से लड़की इस प्रेम संबंध को आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी. इसलिए बासित की उपेक्षा होने लगी. लड़की सिलाई की क्लास कर रही थी. मंगलवार को भी वह रोजाना की तरह अपनी एक्टिवा पर सिलाई क्लास में गई थी।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे